रविवार, 19 जनवरी 2025

मौसम

तापमान	26 – 14
आर्द्रता	48%
सूर्योदयः 6:20	सूर्यास्तः 17:16

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

शमी की वापसी, जायसवाल को पहली बार मिला वनडे में मौका -पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, माघ कृष्णपक्ष पंचमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

सुविचार : अक्सर वही दिये, हाथों को जला देते हैं, जिनको हम हवा से बचा रहे होते हैं।

भारत, अमेरिका ने साइबर अपराधों की जांच में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली : भारत और अमेरिका ने साइबर अपराध और आतंकवाद के वित्तपोषण तथा हिंसक आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार संभालने से कुछ दिन पहले, बाइडन प्रशासन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किया है। भारत की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, शुक्रवार को वाशिंगटन में साइबर अपराध जांच पर हुए समझौते से दोनों देशों की संबंधित एजेंसियों को साइबर खतरे की खुफिया जानकारी और डिजिटल फोरेंसिक के संबंध में सहयोग बढ़ाने की अनुमति मिल गई है। पिछले कुछ दिनों में, निवर्तमान बाइडन प्रशासन द्वारा उठाया गया यह दूसरा ऐसा कदम है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों के और प्रगाढ़ होने को दर्शाता है।

आरजीकर अस्पताल की डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या मामले में आरोपित सिविक वॉलिंटियर संजय दोषी करार

'मैने दुष्कर्म नहीं किया', दोषी साबित होते ही बोला आरोपित संजय राय

■ कल सियालदह अदालत सुनाएगी फैसला

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से दुष्कर्म व हत्या मामले में कोलकाता के सियालदह कोर्ट की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास की अदालत ने शनिवार को आरोपित सिविक वॉलिंटियर को दोषी करार दिया। अदालत ने 162 दिन बाद फैसला सुनाया है। इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच और गवाहों के बयानों के आधार पर

न्यायाधीश ने भारतीय दंड संहिता की धाराओं 64 (दुष्कर्म), 66 (दुष्कर्म के बाद मौत) और 103 (1) (हत्या) के तहत आरोपित संजय राय को दोषी ठहराया। 20 जनवरी को अदालत फैसला सुनाएगी। बता दें कि मामले में मुकदमा शुरू होने के 59 दिन बाद फैसला सुनाया जाएगा। 11 नवंबर को इस मामले की सुनवाई शुरू हुई थी। हाईकोर्ट के निर्देश पर इस वारदात की जांच कर रही सीबीआइ मामले में पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी थी। सीबीआई ने आरोपी संजय के लिए फांसी की मांग की है। फैसले के बाद दोषी संजय ने कहा कि मुझे इस मामले में फंसाया गया है। मैंने यह काम नहीं किया। जिन्होंने ये काम किया है, उन्हें जाने दिया गया है। एक आईपीएस इसमें शामिल है। मैं रुद्राक्ष की माला पहनता हूं और अगर मैंने अपराध किया होता तो यह टूट जाती। जब दोषी संजय ने कहा कि उसे इस केस में फंसाया जा रहा है, इसके बाद जस्टिस अनिर्बान दास ने कहा कि सजा सुनाए जाने से पहले उसे बोलने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 9 अगस्त को आरजी कर अस्पताल के आपातकालीन विभाग की चौथी मंजिल के सेमिनार हाल से पीड़िता का शव बरामद किया गया घटना के अगले दिन मुख्य आरोपित सिविक वॉलंटियर संजय राय को गिरफ्तार किया गया था। सीसीटीवी फुटेज में उसे सेमिनार हॉल में प्रवेश करते देखा गया था। मौके से उसका हेडफोन भी मिला था। सीबीआई ने आरोपपत्र में कहा है कि संजय राय ही मुख्य आरोपित है। हालांकि, पीड़िता के माता-पिता ने अदालत से कहा है कि इस घटना एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच आधी-अधूरी है क्योंकि इस अपराध में शामिल अन्य लोग खुलेआम घूम रहे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मुख्य आरोपित संजय राय की फांसी की सजा की मांग की है। उसने अदालत में यह भी कहा कि राय इस अपराध का एकमात्र गुनाहगार है।

पुलिस कर्मियों पर गोलीबारी का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर

बांग्लादेश भाग रहा था अपराधी

■ एडीजी ने कहा... 'जरूरत पड़ने पर फिर ऐसी कार्रवाई होगी'

■ पुलिस ने सज्जाक पर रखा था इनाम

कोलकाता, समाज्ञा : तीन दिन पहले एक विचाराधीन कैदी पुलिस हिरासत से भाग निकला था। उसने रिवाल्वर छीनकर दो पुलिस कर्मियों को फायरिंग में घायल भी कर दिया था। अब शनिवार के तड़के मुठभेड़ में विचाराधीन कैदी सज्जाक मारा गया। पुलिस का कहना है कि वह बांग्लादेश भागने की फिराक में था। पुलिस के दावें के अनुसार, आरोपी शनिवार की सुबह चोपड़ा सीमा से बांग्लादेश भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, भागने के दौरान उसे रोकने की कोशिश की गई, लेकिन उसने भागने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने गोली चलाई। सज्जाक आलम को बाएं कंधे, हाथ और पैर में तीन गोलियां लगी। पुलिस ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि उसे बेहद गंभीर हालत में लाया गया था, लेकिन इलाज शुरू होते ही उसकी मौत हो गई। बता दें कि सज्जाक आलम हत्या के एक मामले में न्यायिक हिरासत में था। बुधवार को उसे उत्तर दिनाजपुर के ग्वालपोखर की अदालत में पेश किया गया था, जहां से जेल लौटते समय उसने दो पुलिस कर्मियों पर गोली चला दी और फरार हो गया। सज्जाक आलम के फरार होने के बाद पुलिस ने उसकी सूचना देने वाले को दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। जांच के दौरान यह भी पता चला कि उसके भागने में अब्दुल नाम का एक अन्य शख्स मदद कर रहा था, जिसकी तलाश अभी भी जारी है। गुप्त सूचना के आधार पर उत्तर दिनाजपुर पुलिस की एक टीम शनिवार के तड़के चोपड़ा सीमा पर पहुंची। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन उसने फिर भागने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है, वहीं फरार आरोपित अब्दुल की तलाश भी तेज कर दी गई है। इधर, पुलिस मुख्यालय भवानी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में एडीजी (कानून व्यवस्था) जावेद शमीम ने कहा कि बंगाल में यह पहली मुठभेड़ की घटना नहीं है। हाल के दिनों में कई मुठभेड़ें हुई हैं। जरूरत पड़ने पर पुनः ऐसा किया जाएगा। एडीजी ने मीडिया कर्मियों के साथ बातचीत में कहा कि अगर आपको लगता है कि यह कोई त्वरित घटना है तो आप गलत हैं। इससे पहले विधाननगर में एसटीएफ की मुठभेड़ हुई थी। हमने राणाघाट डकैती में भी अपराधी का पीछा करके उसे मारा था और उससे भी पहले एक गिरोह ने पुलिस पर हमला किया था। मालदह में लुटेरों से मुठभेड़ हुई। एडीजी ने कहा कि जब वह दार्जिलिंग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक थे, तब उन्होंने खुद एक मुठभेड़ में गोली चलाई थी।

भारत को चीन की बढ़ती क्षमताओं की 'अभिव्यक्ति' के लिए तैयार रहना होगा: जयशंकर

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत-चीन संबंध 2020 के बाद की सीमा स्थिति से उत्पन्न जटिलताओं से

खुद को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं और संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की जरूरत है। पिछले दशकों में चीन के साथ भारत के संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए जयशंकर ने कहा कि पिछले नीति-निर्माताओं की ''गलत व्याख्या'', चाहे वह ''आदर्शवाद या व्यावहारिक राजनीति की अनुपस्थिति'' से प्रेरित हो, ने चीन के साथ न तो सहयोग और न ही प्रतिस्पर्धा में मदद की है। मुंबई में नानी पालकीवाला व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इसमें स्पष्ट रूप से बदलाव आया है। विदेश मंत्री ने कहा कि आपसी विश्वास, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता दोनों पक्षों के बीच संबंधों का आधार बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की आवश्यकता है। जयशंकर ने कहा, ''ऐसे समय में जब भारत के अधिकतर देशों के साथ रिश्ते मजबूत हो रहे हैं, भारत को चीन के साथ संतुलन स्थापित करने में एक विशेष चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि दोनों देश उन्नति कर रहे हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा कि निकटतम पड़ोसी और एक अरब से अधिक आबादी वाले दो समाजों के रूप में, भारत-चीन के बीच संबंध कभी भी आसान नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, ''लेकिन सीमा विवाद, इतिहास के कुछ बोझ और भिन्न सामाजिक-राजनीतिक प्रणालियों ने इसे और भी तीखा बना दिया। पिछले नीति-निर्माताओं द्वारा गलत व्याख्या, चाहे वह आदर्शवाद से प्रेरित हो या व्यावहारिक राजनीति की गैरमौजूदगी से, वास्तव में चीन के साथ न तो सहयोग और न ही प्रतिस्पर्धा में मदद मिली है।''

कोटा में छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा : राजस्थान के कोटा शहर में 16 वर्षीय एक छात्र ने अपने नाना-नानी के घर पर कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह यहां पर रहकर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इससे 48 घंटे से भी कम समय पहले ओडिशा के एक अन्य छात्र ने अपने छात्रावास के कमरे में आत्महत्या कर ली थी। अधिकारियों ने बताया कि कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। यह घटना जवाहर नगर इलाके में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को हुई। पुलिस ने बताया कि राजस्थान के ही बूंदी जिले के इंद्रगढ़ कस्बे का रहने वाला 12वीं कक्षा का छात्र मनन जैन पिछले तीन साल से जेईई की तैयारी के लिए अपने नाना-नानी के पास रह रहा था। सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) जवाहर सिंह ने बताया कि पुलिस को शनिवार सुबह करीब सवा नौ बजे घटना की सूचना मिली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

एक साथ चुनाव संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं : कानून मंत्री मेघवाल
पृष्ठ 7

प्रधानमंत्री मोदी ने 65 लाख से अधिक स्वामित्व संपत्ति कार्ड बांटे

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए और कहा कि इससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा गरीबी उन्मूलन में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये कार्यक्रम को संबोधित किया और कुछ लाभार्थियों से बातचीत भी की और कहा कि इस योजना से लोगों को ऋण और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण भूमि डिजिटलीकरण ''प्रौद्योगिकी और सुशासन की शक्ति का लाभ उठाकर ग्रामीण सशक्तिकरण को आगे बढ़ा रहा है।'' ये संपत्ति कार्ड 10 राज्यों - छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब,

राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख के 50,000 से अधिक गांवों के लाभार्थियों को वितरित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज 65 लाख कार्ड वितरित किए जाने के बाद अब गांवों में लगभग 2.24 करोड़ लाभार्थियों के पास स्वामित्व संपत्ति कार्ड होंगे।'' उन्होंने कहा, ''संपत्ति अधिकार दुनिया भर में एक बड़ी चुनौती है। कई साल पहले संयुक्त राष्ट्र ने एक अध्ययन किया था, जिसमें पता चला था कि कई देशों में लोगों के पास संपत्ति के अधिकार के लिए कानूनी दस्तावेज नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि गरीबी उन्मूलन के लिए संपत्ति अधिकार महत्वपूर्ण हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि एक प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा था कि गांवों में संपत्ति एक ''मृत पूंजी'' है, क्योंकि लोग इसके साथ कुछ नहीं कर सकते और यह उनकी आय बढ़ाने में भी मदद नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, ''भारत में भी इस चुनौती का असर देखने को मिला। गांवों में लोगों के पास लाखों-करोड़ों (रुपये) की संपत्ति होती है, लेकिन उनके पास उसके कागजात नहीं होते। झगड़े होते थे, संपत्ति हड़प ली जाती थी और बैंक भी उस पर ऋण नहीं देते थे।''

आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष, उससे अधिक आयु के छह करोड़ नागरिक लाए गए: नड्डा

अहमदाबाद : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के छह करोड़ नागरिक आ चुके हैं तथा यह बीमा कार्यक्रम अब भारत की 45 प्रतिशत आबादी को कवर करता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले साल अक्टूबर में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवरेज को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में हमने आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के छह करोड़ लोगों को जोड़ा है। अब, 62 करोड़ से अधिक लोग, या भारत की 45 प्रतिशत से अधिक आबादी, स्वास्थ्य बीमा में नहीं बल्कि पांच लाख रुपये की वार्षिक कवरेज वाली 'स्वास्थ्य आश्वासन' योजना के तहत कवर की गई है।''

अभिनेता सैफ अली खान पर हमला : एक संदिग्ध को छत्तीसगढ़ से पकड़ा गया

मुंबई/दुर्ग : अभिनेता सैफ अली खान पर मुंबई में उनके घर पर चाकू से हुए हमले के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने शनिवार दोपहर छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन से एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संदिग्ध की तस्वीर मुंबई पुलिस ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ साझा की थी। संदिग्ध मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) से कोलकाता शालीमार के बीच चलने वाली ज्ञा-नेश्वरी एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा था। मुंबई पुलिस ने बाद में एक बयान में कहा कि हिरासत में लिया गया

व्यक्ति आकाश कैलाश कन्नोजिया (31) अब भी संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि उचित सत्यापन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले शुक्रवार को एक बढ़ई को हिरासत में लिया गया था क्योंकि वह अभिनेता की बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध हमलावर के स्क्रीनग्रैब से मिलता जुलता था। लेकिन, बाद में उसे रिहा कर दिया गया क्योंकि उसका अपराध से कोई संबंध नहीं पाया गया। मुंबई पुलिस ने शनिवार अपराह्न करीब 12.30 बजे दुर्ग में आरपीएफ को सूचना दी कि ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस में एक संदिग्ध व्यक्ति यात्रा कर रहा है।

अगले पांच साल में भारत का वाहन उद्योग दुनिया में पहले स्थान पर होगा: गडकरी

नयी दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वाहन उद्योग में अब तक सर्वाधिक 4.5 करोड़ रोजगार पैदा होने का जिक्र करते हुए शनिवार को कहा कि भारत का वाहन उद्योग अगले पांच साल में दुनिया में पहले स्थान पर होगा। गडकरी ने यहां वाहन डीलरों के निकाय 'फाडा' के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय वाहनों की मांग वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक है। उन्होंने कहा, भारतीय वाहन उद्योग का आकार अब 22 लाख करोड़ रुपये का है। मुझे पूरा विश्वास है कि पांच साल के भीतर भारतीय वाहन उद्योग दुनिया में नंबर एक बन जाएगा। वर्तमान में अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपये है, इसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपये) और भारत (22 लाख करोड़ रुपये) का स्थान आता है। गडकरी ने कहा कि जब उन्होंने 2014 में परिवहन मंत्रालय का कार्यभार संभाला था, तब वाहन उद्योग का आकार 7.5 लाख करोड़

रुपये था जो अब बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। उन्होंने फेडरेशन ऑफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के कार्यक्रम में कहा कि वाहन उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ नौकरियां पैदा की हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा, वाहन उद्योग राज्य सरकार और भारत सरकार को जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) के हिस्से के रूप में अधिकतम राजस्व भी दे रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में बनने वाले सभी दोपहिया वाहनों में से 50 प्रतिशत का निर्यात किया जाता है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 19 जनवरी, रविवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, माघ कृष्णपक्ष पंचमी, 07:31 तक, नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी, 17:27 तक, योग : अतिगंदा, 25:56 तक, सूर्योदय: 6:20, सूर्यास्त: 17:16 चन्द्रोदय : 22:07, चन्द्रास्त: 09:41, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 15:50 से 17:12

साप्ताहिक : राशिफल 19-01-25 से 25-01-25

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय चुनौतीपूर्ण बना रह सकता है। जातक के कई महत्वपूर्ण कार्यों में चुनौतियाँ या परेशानी बनी रह सकती है इसलिए सावधानी बनाये रखे। इस सप्ताह विरोधी एवं प्रतिस्पर्धी सक्रिय बने रह सकते है जो जातक के लिए चुनौतियाँ खड़ी कर सकती है। सेना,पुलीस, वकील एवं सरकारी सेवा में लगे जातकों के लिए भी समय चुनौतीपूर्ण रहेगा इसलिए सावधानी बनाये रखे। न्यायालय के कार्यों में विलम होने से चुनौतियाँ बढ़ सकती है। हनुमान जी की पूजा से स्थितियाँ अनुकूल हो सकती है।

वृष : ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : इस सप्ताह इस राशि के जातकों का समय अभी चुनौतीपूर्ण बना रह सकता है। अधिक पढ़े-लिखे लोगों से सावधानी बनाये नही तो वे जातक को किसी महत्व-पूर्ण कार्य में उलझा सकते है। इस सप्ताह जातक को किसी भी तरह के जोखिम से बचना चाहिये। प्रेम संबंधों में भी किसी बात को लेकर संदेह या अविश्वास की भावना आ सकती है। सुख-सुविधाओं में अधिक खर्च करने से बचे, नही तो आर्थिक चुनौतियों का सामना जातक को करना पड़ सकता है। अनावश्यक भाग-दौड़ से बचे।

मिथुन : का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय अनुकूल रहेगा। जातक अपने सूझ-बूझ से कई महत्वपूर्ण कार्य-योजनाओं का विस्तार कर सकता है। छात्रों के लिए भी समय अनुकूल है। पढ़ाई-लिखाई में जातक का मन लग सकता है। किसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में सफलता जातक को मिल सकती है। व्यवसाय एवं व्यापार की भी स्थितियाँ अनुकूल रहेंगी। बाजार में पूंजी निवेश करने पर बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है। आयात-निर्यात से जुड़े जातकों के लिए समय बहुत अनुकूल है बड़े लाभ की स्थितियाँ बनी सकती है।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो : इस सप्ताह इस राशि के जातकों का समय थोड़ा मिला-जुला रहेगा। इस सप्ताह जातक अपनी सूझ-बूझ से कई महत्वपूर्ण कार्यों को पटरी पर लाने में सफल हो सकता है। जातक अपनी कार्य-योजनाओं का विस्तार करने में थोड़ा परेशान हो सकता है लेकिन सूझ-बूझ एवं अपने परिश्रम से जातक कई महत्वपूर्ण कार्यों को विस्तार देने में सफल हो सकता है। सरकारी सेवा में लगे जातकों के लिए समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा लेकिन जातक अपनी सक्रियता से कई चुनौतीपूर्ण कार्यों को अनुकूल बनाने में सफलता हो सकती है।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा। अनावश्यक तर्क-वितर्क के कारण कभी-कभी मानसिक तनाव का सामना जातक को करना पड़ सकता है। शुक्र के प्रभाव के कारण सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है लेकिन शनि की दृष्टि के कारण कभी-कभी मानसिक तनाव एवं स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना जातक को करना पड़ सकता है इसलिए सावधानी बनाये रखे। विरोधी एवं प्रतिस्पर्धी जातक के लिए चुनौतियाँ खड़ी कर सकते है इसलिए सावधानी बनाये रखे।

कन्या : ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय चुनौतीपूर्ण रहेगा। अनावश्यक मानसिक चुनौतियाँ जातक को तनाव दे सकती है। घर-परिवार में भी आपसी लगाव कम होने के कारण मतभेद की स्थितियाँ बन सकती है। घरेलू सुख-सुविधाओं में कमी हो सकती है। विरोधी एवं प्रतिस्पर्धी भी सक्रिय हो सकते है जो जातक के लिए तनाव दे सकते है। इस बीच स्वास्थ्य पर भी ध्यान बनाये रखे। व्यवसायिक दृष्टि से भी सप्ताह अनुकूल नही है इसलिए पूंजी निवेश करने से बचे यदि चुनौतियाँ अधिक महसूस हो तो आपाहिजों को काली वस्तुओं का दान करने से जातक को राहत मिल सकती है।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय अनुकूल रहेगा। घरेलू सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। घूमने-फिरने का अवसर जातक को मिल सकता है। देश-विदेश की यात्रा का भी अवसर जातक को मिल सकता है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आ सकती है। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। ईस्ट-मित्रों का भी सहयोग जातक को मिल सकता है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल है बाजार एवं शेयर मार्केट में पूंजी निवेश करने पर बढ़े लाभ की स्थितियाँ बन सकती हैं।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय अनुकूल रहेगा। जातक अपनी कर्मठता से बड़ी पहचान बनाने में सफल हो सकता है। सेना, पुलीस एवं सरकारी सेवा में भी लगे जातकों के लिए भी समय अनुकूल है। प्रमोशन या अच्छे स्थान पर कार्य करने का अवसर जातक को मिल सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़े जातकों के लिए भी समय अनुकूल है। अचल संपत्ति खरीदने का योग बन सकता है। निरंतर क्रियाशील बने रहने पर जातक अपनी व्यवसायिक गति-विधि से व्यापार आदि की के क्षेत्र में विशेष उन्नति कर सकता है।

धनु : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय मिला-जुला रहेगा। बुध के प्रभाव के कारण व्यवसायिक गतिविधियो में थोड़ी सक्रियता आ सकती है। छात्रों के लिए समय थोड़ा अनुकूल रहेगा यद्यपि परीक्षा आदि की चुनौतियाँ बनी रह सकती है। जातक अपनी बात-चीत की कला से कई महत्वपूर्ण कार्यों को पटरी पर लाने में सफल हो सकता है। गुरू के शुक्र के घर में जाने के कारण जातक अपने रहन-सहन पर अधिक खर्च कर सकता है इसलिए सावधानी बनाये रखे। घर-परिवार की जिम्मेदारियाँ थोड़ी बढ़ सकती है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह लगभग अनुकूल है।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी : मानसिक अशांति बनी रहेगी। चिंताओं से क्रोध में वृद्धि होगी और विरोधी सक्रिय रहेंगे। समय की बर्बादी से बचने की जरूरत है। मंगल एवं बुधवार के दिन आपकी आय बढ़ेगी एवं दूसरों का सहयोग मिलेगा। संपर्कों का लाभ मिलेगा। कोई बड़ी खुशखबरी प्राप्त होगी। समस्याओं का निपटारा होगा। गुरु एवं शुक्रवार को सावधानी रखनी होगी। व्यय बढ़ सकती है एवं लेनदेन में सावधानी रखने की जरूरत है। शनिवार को परिवार का साथ मिलेगा, लेकिन आय बढ़ेगी एवं समस्याएं कम होंगी।

कुम्भ : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय अनुकूल रहेगा। घरेलू सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। कई महत्वपूर्ण कार्य-योजनाओं का विस्तार करने का अवसर जातक को मिल सकता है। जातक इस सप्ताह खूब परिश्रम कर सकता है। जिससे स्थितियाँ अनुकूल हो सकती है। घूमने-फिरने का अवसर जातक को मिल सकता है। प्रेम-संबंधों में भी प्रगाढता आ सकती है। व्यवसायिक दृष्टि से भी सप्ताह अनुकूल है। पूजीं निवेश करने का या अच्छा अवसर है जिससे जातक को लाभ मिल सकता है।

मीन : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची : इस सप्ताह इस राशि वालों का समय थोड़ा मिला-जुला रहेगा। लम्बे समय से चली आ रही चुनौतियों में थोड़ी कमी आ सकती है। जिसके कारण जातक को राहत मिल सकती है। भाग-दौड़ की अधिकता बढ़ सकती है। अधिक खर्च की अधिकता के कारण जातक तनाव महसूस कर सकता है लेकिन खर्च अनुकूल कार्यों में होने से जातक को राहत मिल सकती है। विरोधी एवं प्रतिस्पर्धी थोड़ी सक्रिय बने रह सकते है इसलिए सावधानी बनाये रखे।

राहुल गांधी ने 'क्रांतिकारी' बिहार में भाजपा-आरएसएस को 'वैचारिक पराजय' देने का संकल्प लिया

कांग्रेस हर कीमत पर कराएगी जातीय जनगणना: राहुल गांधी

पटना : कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के साथ मिलकर 'क्रांतिकारी' बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के विचार को हराने का आह्वान किया। बिहार में इस वर्ष विधानसभा चुनाव होना है। राहुल ने पटना स्थित कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय 'सदाकत आश्रम' में एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं

को संबोधित करते हुए कहा, ''संविधान की रक्षा सिर्फ कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता कर सकता है। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान वाली विचारधारा है और दूसरी तरफ भाजपा-आरएसएस की विचारधारा नफरत व हिंसा की विचारधारा है।'' उन्होंने कहा, भाजपा का मुकाबला सिर्फ कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता और उसकी विचारधारा कर सकती है। राहुल ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा, ''अगला चुनाव बिहार में है और यह एक क्रांतिकारी प्रदेश है। देश में जब भी बदलाव होता है तो उसकी शुरुआत बिहार से होती है।'' उन्होंने कहा, यह विचारधारा की लड़ाई है।

उत्तर प्रदेश: तीन मंदिरों में शिवलिंग, बजरंगबली की मूर्ति खंडित

सुलतानपुर : उत्तर प्रदेश के सु-लतानपुर जिले के एक गांव में कुछ अराजक तत्वों ने तीन मंदिरों में बजरंगबली की मूर्ति और दो शिवलिंग को खंडित कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हरीपुर बनवा गांव में हुई इस घटना पर तुरंत संज्ञान लेते हुए खंडित मूर्तियों की जगह नयी मूर्तियां स्थापित की गयीं जबकि खंडित मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा। लंभुआ के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अब्दुस सलाम ने बताया कि अराजकतत्वों ने मूर्तियों को खंडित किया था। उन्होंने बताया कि खंडित मूर्तियों की जगह नये शिवलिंग व मूर्ति स्थापित कराऐ गये हैं और प्राचीन मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश: महाकुम्भ में 22 जनवरी को हो सकती है मंत्रिमंडल की बैठक

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में 22 जनवरी को मंत्रिमंडल की बैठक हो सकती है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सभी मंत्री बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में उत्तर प्रदेश के विकास से जुड़े अहम मामलों पर फैसला हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि बैठक से पहले मुख्यमंत्री और मंत्री संगम में स्नान भी कर सकते हैं। इससे पहले वर्ष 2019 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली पहली सरकार में 29 जनवरी को कुम्भ के दौरान प्रयागराज में मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई थी। महाकुम्भ 13 जनवरी से शुरू हुआ है और 26 फरवरी तक जारी रहेगा।

राहुल ने बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शकारियों से मुलाकात की, समर्थन दिया

पटना : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीप-ीएससी) की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों से शनिवार को मुलाकात की और उनके आंदोलन को समर्थन दिया। राहुल ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के साथ वक्त भी बिताया। राहुल ने प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ एक होटल में मुलाकात भी की। प्रतिनिधिमंडल ने राहुल से गर्दनीबाग का दौरा करने का आग्रह किया, जहां कई अभ्यर्थी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर चौबीसों घंटे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

महाकुम्भ में संगम स्नान करना मेरा सौभाग्य: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

महाकुम्भ नगर : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को संगम में डुबकी लगाई। सिंह यहां बमरौली हवाई अड्डे पर उतरे, जहां प्रदेश सरकार में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह के साथ सांसद सुधांशु त्रिवेदी भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने सबसे पहले संगम में स्नान किया और फिर अक्षयवट, पाताल-पुरी और बड़े हनुमान जी के दर्शन कर, महाकुम्भ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एक बयान के मुताबिक, रक्षा मंत्री शाम को सेना के अधिकारियों के साथ महाकुम्भ की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक भी करेंगे। सिंह ने कहा, मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि आज (शनिवार को) मैंने संगम में स्नान किया। यह भारतीयता का आध्यात्मिक व सांस्कृतिक महापर्व है। किसी पंथ, समुदाय या धर्म के साथ इसे जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। किसी को अगर भारत और भारतीयता को समझना है तो आकर महाकुम्भ को देखिए।

महाकुम्भ में सात करोड़ से अधिक रुद्राक्ष से निर्मित 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए उमड़े भक्त

महाकुम्भ नगर : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेले के शिव नगरी में सात करोड़ 51 लाख रुद्राक्ष से निर्मित 12 ज्योतिर्लिंग विशेष रूप से श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। महाकुम्भ के सेक्टर छह में निर्मित प्रत्येक ज्योतिर्लिंग 11 फुट ऊंचा, नौ फुट चौड़ा और सात फुट मोटा है, जिन्हें सात करोड़ 51 लाख रुद्राक्ष की मणियों की माला पहनाई गई है। इन रुद्राक्ष को 10,000 गांवों से पैदल घूम घूमकर भिक्षा में एकत्रित किया गया है। मौनी बाबा ने खुले आकाश में बने इन ज्योतिर्लिंगों के बारे में 'पीटीआई-भाषा' से जानकारी साझा करते हुए बताया, आतंकवाद के नाश और बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा की कामना से पूजा अनुष्ठान कर लौह से शिवलिंग को आकार दिया और उन पर रुद्राक्ष की मालाओं को लपेटा गया। उन्होंने बताया, मैंने वर्षों पहले मन में रुद्राक्ष के ज्योतिर्लिंग की स्थापना का संकल्प लिया था। पिछले 37 वर्षों से मैं रुद्राक्ष का शिवलिंग बनाकर पूजा कर रहा हूं। यहां स्थापित ज्योतिर्लिंगों में एक मुखी से लेकर 26 मुखी तक के श्वेत रुद्राक्ष, काले रुद्राक्ष, लाल रुद्राक्ष का उपयोग किया गया है। मौनी बाबा ने बताया कि यह रुद्राक्ष से बनी शिव नगरी पूरी दुनिया में अपनी तरह की अनूठी नगरी है, जहां छह शिवलिंग दक्षिणमुखी और छह शिवलिंग उत्तर मुखी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक पूरी दुनिया में महाकाल का अकेला शिवलिंग दक्षिण मुखी है।

गोवंश को हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए किसानों को प्रेरित करें अधिकारी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पशुपालन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि गोवंश को हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए किसानों को प्रेरित करें। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पशुप-ालन विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने गोवंश के लिए हरे चारे की अधिकाधिक उपलब्धता के लिए किसानों को प्रेरित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रेरित करने के लिए गोष्ठी का आयोजन भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों से

कहा कि किसानों से हरा चारा खरीद कर गोशालाओं को उपलब्ध कराया जाए, इससे किसानों की आय में वृद्धि भी होगी। उन्होंने कहा कि जिले में हरे चारे की खपत का आंकलन किया जाए। इसके बाद मांग के अनुसार हरे चारे के उत्पादन के लिए किसान से संपर्क किया जाए। इस दौरान किसानों को हरे चारे के उत्प-ादन के लिए प्रेरित करने के साथ उन्हें उचित दर पर भुगतान भी दिया जाए। इससे हरे चारे के उत्पादन के प्रति किसानों का रुझान बढ़ेगा। साथ ही उनकी आय में भी बढ़ोत्तरी भी होगी। योगी ने कहा कि इसकी जिम्मेदारी जिलाधिकारी को दी जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भूसे और हरे चारे के लिए वेयरहाउस बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मकई, ज्वार, बाजरा और बरसीम आदि हरा चारा तीन से चार माह चल जाता है। ऐसे में इसके लिए वेयरहाउस बनाएं। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी जिलाधिकारी को सौंपने के निर्देश दिये ताकि उसकी सही तरीके से निगरानी हो सके।

मंदिर से मूर्तियों की चोरी की शिकायत करने वाला ही निकला चोर, चार लोग गिरफ्तार

मिर्जापुर : उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक मंदिर से मूर्तियां चोरी होने की पुलिस में शिकायत करने वाला व्यक्ति ही चोर निकला, जिसे उसके तीन अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पड़री थाना क्षेत्र में स्थित राम-जानकी मंदिर से भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी की प्राचीन मूर्तियां होने की शिकायत दर्ज कराई गयी थी। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस ने एक बोलेरो कार से मूर्तियां बरामद करने के बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें से एक वही व्यक्ति है, जिसने मूर्तियां चोरी होने की शिकायत की थी। पुलिस के अनुसार, 14 जनवरी को शिकायतकर्ता वंशीदास ने मंदिर से कीमती मूर्तियों के चोरी होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की थी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान वंशीदास (शिकायतकर्ता), लवकुश पाल, कुमार सोनी और राम बहादुर पाल के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान पता चला कि शिकायतकर्ता वंशीदास पिछले तीन वर्ष से मंदिर की देखरेख कर रहा था और वह अपने गुरु महाराज जयराम दास व सतुआ बाबा के बीच मंदिर के स्वामित्व को लेकर लंबे समय से जारी विवाद में उलझा हुआ था। पुलिस ने बताया कि जब वंशीदास को पता चला कि जयराम दास मंदिर की संपत्ति अपने भतीजे को हस्तांतरित करना चाहते हैं तो उसने मूर्तियों को चुराकर बेचने की योजना बनाई। पुलिस के मुताबिक, वंशीदास ने अपने वाहन चालक लवकुश पाल, मुकेश कुमार सोनी, रामबहादुर पाल सहित अन्य साथियों को मंदिर में दर्शन के बहाने लाकर मूर्तियां दिखाईं और उन्हें चोरी करने के बाद हाईमाई पहाड़ी मंदिर के पीछे छिपा दिया।

बिहार: राहुल गांधी ने लालू, तेजस्वी, राबड़ी यादव से मुलाकात की

पटना : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को यहां अपने बिहार दौरे के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से मुलाकात की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को तेजस्वी यादव ने पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर आमंत्रित किया था। तेजस्वी ने राहुल के साथ मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैंने उनसे (राहुल) कहा था कि हमारे संबंधित कार्यक्रम पूरे होने के बाद मेरा पूरा परिवार उनसे मिलकर प्रसन्न होगा। उन्होंने कहा था कि वह हमारे घर आएंगे।'' राहुल, बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों से मुलाकात और पार्टी के राज्य मुख्यालय में एक समारोह को संबोधित करने के बाद 10, सर्कुलर रोड पहुंचे। पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद राहुल का यह पहला बिहार दौरा था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के साथ पार्टी की राज्य इकाई के कई अन्य नेता भी मौजूद थे। राहुल के इस दौरे से उम्मीद जतायी जा रही है कि इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजद और कांग्रेस के बीच संबंधों में नरमी आएगी।

डल्लेवाल के समर्थन में 10 और किसान आमरण अनशन पर बैठे, एक अनशनकारी को खून की उल्टी हुई

जींद : पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर शनिवार को 10 और किसानों ने आमरण अनशन शुरू किया जिसके बाद अनशनकारी किसानों की संख्या बढ़कर 121 हो गयी। किसान नेता काका सिंह कोटड़ा ने कहा, ''खनौरी सीमा बिंदु पर तीन दिन पहले 111 किसानों ने जगजीत सिंह डल्लेवाल को समर्थन देते हुए अनशन की घोषणा की थी और आज से 10 और किसानों ने आमरण अनशुन शुरू किया है।'' कोटड़ा ने कहा कि पहले से अनशन कर रहे किसानों में शामिल एक आंदोलनकारी की शनिवार को सेहत बिगड़ गई और उसे खून की उल्टी होने लगीं। शनिवार को अनशन शुरू करने वाले किसानों ने कहा कि वे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से प्रेरणा लेकर आमरण अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि वे किसानों के लिए बलिदान दे रहे डल्लेवाल के दिखाए इस संघर्ष के रास्ते पर चलने को तैयार हैं। वहीं, आमरण अनशन के 54वें दिन किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत में और गिरावट आई। किसान नेता कोटड़ा ने बताया कि डल्लेवाल की तबीयत और खराब हो गयी है। उन्होंने कहा कि डल्लेवाल बृहस्पतिवार रात से उल्टियां कर रहे हैं।

केंद्र 14 फरवरी को प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बैठक करेगा, डल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने को राजी

केंद्र सरकार 14 फरवरी को चंडीगढ़ में पंजाब के प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बैठक करेगी, जिसमें उनकी मांगों पर चर्चा की जाएगी। केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रदर्शनकारी किसान फसलों के लिए एमएसपी पर कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं। प्रस्तावित बैठक की घोषणा के बाद, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने पर सहमत हो गए। डल्लेवाल का आमरण अनशन शनिवार को 54वें दिन में प्रवेश कर गया। किसान नेता सुखजीत सिंह हरद-ोझंडे ने कहा कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी दिए जाने तक डल्लेवाल अपना अनशन समाप्त नहीं करेंगे।

राजस्थान में महिला शिक्षा का गला घोंट रही भाजपा: पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत

जयपुर : राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजरा) सरकार महिला शिक्षा का गला घोंट रही है। गहलोत ने सरकार द्वारा बालिका विद्यालयों को बंद किए जाने संबंधी एक खबर साझा करते हुए 'एक्स' पर कहा, कालीबाई भील की धरती राजस्थान में महिला शिक्षा का गला घोंट रही है भाजपा। कांग्रेस नेता ने कहा, अच्छी नामांकन संख्या वाले विद्यालयों को बंद करना भाजपा की महिला शिक्षा पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' है। इनका छिपा हुआ एजेंडा सामने आ रहा है, ये नहीं चाहते कि लड़कियां पढ़ें लिखें और आगे बढ़ें। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने बालिकाओं के स्कूल छोड़ने की दर को कम से कम करने के लिए कम नामांकन होने पर भी विद्यालयों को सक्रिय रखा ताकि एक भी बच्ची को पढ़ाई न छोड़नी पड़े।

वर्ग पहेली नं. 2980

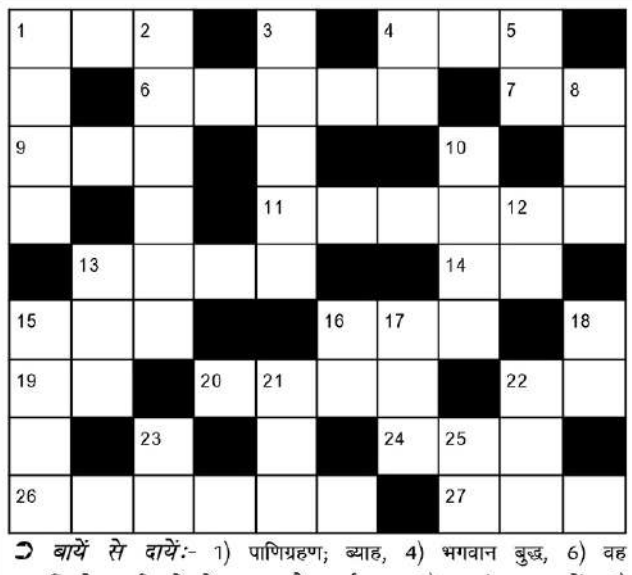

⊃ *ऊपर से नीचे:-* 1) इश्तहार, 2) वायुयान, 3) ख़ातिरदारी, 4) मह त्त्वहीन, 5) नहीं, 8) एक संख्या, 10) धर्मविधि, 12) एक चिड़िया, 13) कुटिल; दुर्जन, 15) घनिष्ठ, 16) बाल, 17) सुंदर स्त्री, 18) मान्यता; आदर; विश्वास, 21) सेना, 22) विपदा; विघ्न, 23) अस्थमा, 25) मृत्युदेवता. *(उत्तरः अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

अ		स	मा	न		भा	ग्य	वा	न
न		रा		या	द	व		य	
व	र्ग	फ	ल			ता	बे	दा	र
र			ह	म	ला	व	र		सो
त	ल	वा	र		प			क	ई
	ड़			प	ता	व	र		धा
	का	म	गा	र			स	सु	र
च		खो		चू	न	री		ल	
द	ली	ल		न		ति	ल	ह	न

⊃ *बायें से दायें:-* 1) पाणिग्रहण; ब्याह, 4) भगवान बुद्ध, 6) वह हवा जिसने पृथ्वी को घेर रखा है; पर्यावरण, 7) उपरांत; बाद में, 9) शिक्षार्जन, 11) सोलह से पच्चीस साल तक की अवस्था जिसमें मनुष्य की बुद्धि अपरिपक्व रहती है, 13) पीलवान, 14) पेंदा, 15) अनु-मान, 16) ख़िजाब, 19) गीला, 20) खलबली, 22) *युनियन;* परिषद; *कंपनी; आर्गनाइज़ेशन,* 24) मुखिया, 26) ताज़ा; बहुत गरम, 27) घड़ा.

⊃ शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2940

				9		8		
		7				2		
	1							
			3		1			
9							4	
			5			6		
							7	3
5				2				
			7				1	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2939 का उत्तर

9	3	8	6	4	7	5	1	2
6	2	7	3	5	1	9	8	4
1	4	5	2	9	8	7	3	6
3	7	1	5	2	9	4	6	8
5	6	4	8	1	3	2	9	7
2	8	9	7	6	4	3	5	1
7	9	6	4	8	5	1	2	3
8	5	3	1	7	2	6	4	9
4	1	2	9	3	6	8	7	5

नरेंद्रपुर में बेटे की हत्या कर मां ने थाने में किया आत्मसमर्पण

कोलकाता, समाज्ञा

एक मां पर अपने आठ साल के बेटे की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगा है। बेटे की मौत के बाद तनुजा मंडल नाम की महिला ने शनिवार को खुद थाने जाकर सरेंडर कर दिया। महिला ने दावा किया कि उसने अपने बच्चे की हत्या की है। आरोपित तनुजा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, उसने हत्या क्यों की है, यह पता नहीं चल सका है। तनुजा दक्षिण 24 परगना जिले के नरेंद्रपुर थाना अंतर्गत खैयादह के मऊ लिहाटी की रहने वाली है। उसके पति प्रसेनजीत मंडल मछली व्यवसायी है। उसके दो बेटे थे। तनुजा के छोटे बेटे की दो साल पहले मौत हो गई थी। उस समय वह डेढ़ वर्ष का था। स्थानीय लोगों का दावा है कि उसकी भी हत्या तनुजा ने ही की थी। बड़ा बेटा देवजीत मंडल स्थानीय प्राथमिक विद्यालय में तीसरी कक्षा में पढ़ता था। इस दिन, सुबह में प्रसेनजीत व्यवसाय के सिलसिले में बाहर गया था। तनुजा अपने बेटे के साथ घर में अकेली थी। सुबह करीब 10 बजे प्रसेनजीत की मां उनके घर आई। वह अपने पोते को बुलाने लगी। स्थानीय निवासी श्राबंती नस्कर ने बताया कि तनुजा उस समय घर पर नहीं थी। बच्चे की दादी भी पड़ोसियों से पूछताछ करने लगी। दादी की आवाज सुनकर बच्चे का बड़ा चाचा तापस मंडल बाहर आया। उसने कमरे का बंद दरवाजा खोला तो देखा कि बच्चा बिस्तर पर पड़ा है। उसके गले पर फंदे के निशान हैं। इसके बाद, नरेंद्रपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। उनके साथ आरोपित तनुजा भी थी। उन्हें देखकर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। वे बच्चे की मां पर झपट पड़े। उसने तनुजा को पीटने की भी कोशिश की। पुलिस ने बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया। बारुइपुर पुलिस जिले के पुलिस अधीक्षक पलाश चंद्र ढाली ने बताया कि उसने हत्या क्यों कि इसकी जांच की जा रही है।

कस्बा में तृणमूल पार्षद पर हमले के मामले में पुलिस ने दो महीने में चार्जशीट की दाखिल, 7 आरोपी गिरफ्तार

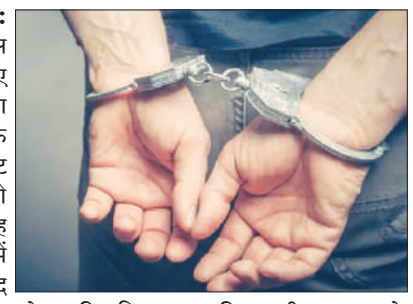

कोलकाता, समाज्ञा : कस्बा के तृणमूल कांग्रेस पार्षद सुषांत घोष पर हुए हमले के मामले में कोलकाता पुलिस ने केवल दो महीने के अंदर 30 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। शुक्रवार को अलीपुर अदालत में यह चार्जशीट पेश की गई, जिसमें सात आरोपियों को नामजद किया गया है। इनमें से तीन को फरार घोषित किया गया है। चार्जशीट में 15 गवाहों के बयान शामिल हैं और आरोपियों पर हत्या की कोशिश, हथियार कानून सहित कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने अदालत को सूचित किया है कि आरोपियों के खिलाफ जल्द चार्ज फ्रेम करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि, गत 15 नवंबर को सुषांत घोष अपने घर के सामने बैठे थे, जब बाइक पर आए हमलावरों ने उन्हें गोली मारने की कोशिश की लेकिन ट्रिगर जाम होने के कारण गोली नहीं चली। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने एक आरोपी को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच के दौरान बिहार के कुख्यात पप्पू चौधरी गैंग का नाम सामने आया। पता चला कि सुषांत घोष पर हमले के लिए इस गैंग को सुपारी दी गई थी। दो महीने की योजना के बाद हमलावर स्कूटी पर आए और हमला किया।

पुलिस ने इस मामले में युवराज, गुलजार, फूलबाबू, मोहम्मद अहमद, छोटू, आदिल सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया। कुछ को बिहार से और आदिल को अबूधाबी से लौटने पर पकड़ा गया। चार्जशीट में हमले की पूरी साजिश का विवरण दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए अदालत को आश्वस्त किया है।

पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं : केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा

सिलीगुड़ी : केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। यहां अपराधियों को सरकारी संरक्षण प्राप्त है। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए दिल्ली से बागडोगरा पहुंचे थे। इस दौरान, बागडोगरा हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में बीएल वर्मा ने राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आरजीकर की घटना ही नहीं, इस राज्य में कानून का शासन नहीं है। यहां अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण की राजनीति चल रही है। न सिर्फ चिकित्सक, बल्कि देश की जनता भी ऐसी घटनाओं को कभी स्वीकार नहीं करेगी। मंत्री ने कहा कि जहां प्रधानमंत्री देश में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, वहीं इस राज्य में महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। यह देश के लिए शर्म की बात है। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की जनता इसका माकूल जवाब देगी। आरजीकर की घटना पर उन्होंने कहा कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर भरोसा है। असली दोषियों को सजा जरूर मिलेगी।

अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

कोलकाता : पुलिस के विशेष दल एंटी राउडी स्काड (एआरएस) ने एक गुप्त सूचना के आधार पर एक फ्लैट में छापा मारकर अवैध कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया। यह फ्लैट कोलकाता के पंचसायर थाना क्षेत्र स्थित नयाबाद, नबदिप्ता लेन नंबर 6 के दूसरे मंजिल पर स्थित था। इस छापेमारी में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने मौके से कई मोबाइल फोन, लैपटॉप, राउटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। आरोपियों पर कनाडा के नागरिकों को ठगने का आरोप है। ये लोग खुद को कनाडा की सबसे बड़ी इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी 'बेल कनाडा' और 'अमेज़ॉन' के कर्मचारी बताकर फोन करते थे। वे लोगों को यह विश्वास दिलाते थे कि उनका कंप्यूटर खराब हो रहा है और उनकी इंटरनेट सेवा प्रभावित हो सकती है। इसके बाद वे तेज इंटरनेट स्पीड या रिफंड के बहाने पीड़ितों से बैंक अकाउंट की जानकारी हासिल कर लेते थे।

इस प्रक्रिया में आरोपी एनी डेस्क और टीम व्यूअर जैसे रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर पीड़ितों के डिवाइस का नियंत्रण अपने हाथों में ले लेते थे और उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लेते थे।

पुलिस ने फ्लैट को सील कर दिया है और इंस्पेक्टर सुमित भट्टाचार्य की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की विभिन्न धाराओं सहित कई अन्य आरोप लगाए गए हैं।

❑ गिरफ्तार आरोपियों के नाम और पते:

❑ अभिमन्यु पांडे (24), निवासी: चेतला, कोलकाता
❑ स्टीफन गोम्स (34), निवासी: टालतला, कोलकाता
❑ अनिल मंडल (20), निवासी: बेहाला, कोलकाता
❑ सोमनाथ सरदार (33), निवासी: जादवपुर, कोलकाता
❑ नितीश माईती (26), निवासी: बालीगंज, कोलकाता
❑ बासित हुसैन (20), निवासी: टॉप्सिया, कोलकाता
❑ तरुण रॉय (20), निवासी: भवानीपुर, कोलकाता
❑ रंजन सिंह (20), निवासी: कस्बा, कोलकाता
❑ सुजान सिंह (26), निवासी: लेक गार्डन्स, कोलकाता
❑ नितेन माईती (23), निवासी: बालीगंज, कोलकाता।

अप्रैल में ब्रिगेड रैली का आयोजन, केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ सीपीएम का संयुक्त आंदोलन

कोलकाता, समाज्ञा : आगामी लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक मजबूती हासिल करने और जनता से जुड़े मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सीपीएम ने 20 अप्रैल को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में विशाल रैली का आयोजन करने की घोषणा की है। इस रैली का आयोजन पार्टी के श्रमिक संगठन सीआईटीयू और अखिल भारतीय किसान व खेत मजदूर सभा द्वारा किया जाएगा। शनिवार को अलीमुद्दीन स्ट्रीट से जारी प्रेस बयान में बताया गया कि रैली से पहले फरवरी और मार्च में राज्यव्यापी पदयात्रा आयोजित की जाएगी। रैली का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता को संगठित करना है।

सीपीएम ने आरोप लगाया है कि पिछले 13 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के शासन के दौरान देश में बड़े पैमाने पर निजीकरण, मध्यम वर्ग पर करों का बोझ, और श्रमिक व किसान विरोधी नीतियां लागू की गई हैं। इन मुद्दों को लेकर सीपीएम का श्रमिक-किसान संगठन ब्रिगेड रैली में अपनी आवाज बुलंद करेगा। इस रैली में अदानी-अंबानी जैसे उद्योगपतियों की नीतियों का कड़ा विरोध और श्रमिक-किसान विरोधी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह रैली आगामी 2026 के चुनावों से पहले पार्टी के जनाधार को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

बाइक सवार बदमाशों ने व्यक्ति से लूटा बैग, आंखों में स्प्रे कर दिया घटना को अंजाम

कोलकाता : शनिवार की सुबह करीब 9 बजे ए.पी.सी. रोड पर एक सार्वजनिक शौचालय के पास दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से लूटपाट की। पीड़ित, इफ्तिखार अहमद खान (42), निवासी कैनाल ईस्ट रोड, कोलकाता-11, ने बताया कि बदमाशों ने उसकी आंखों में कोई तरल पदार्थ छिड़क दिया, जिससे उसकी बाईं आंख प्रभावित हो गई। इसके बाद, एक आरोपी ने इफ्तिखार को धमकाते हुए उसका बैग सौंपने के लिए मजबूर किया और बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में नकदी रखी हुई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की है।

बाली ब्रिज के एक हिस्से के बंद होने से यातायात में हो सकता है भारी जाम

कोलकाता, समाज्ञा : डानकुनी-सियालदह रूट पर पहले ही चार दिनों के लिए ट्रेनों की बंदी की घोषणा की जा चुकी थी। अब बाली ब्रिज के एक हिस्से को भी पांच दिनों के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने जानकारी दी कि 22 जनवरी की रात 12 बजे से लेकर 27 जनवरी तक बाली ब्रिज के इस हिस्से पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रहेगी। इस दौरान डानकुनी की ओर जाने वाले सभी वाहन निवेदिता सेतु से होकर गुजरेंगे। वहीं, बाली ब्रिज के दूसरे हिस्से से केवल कोलकाता की ओर जाने वाले वाहन ही निकल सकेंगे। कोलकाता से बाहर जाने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में निवेदिता सेतु का प्रयोग करना होगा, और इस मार्ग पर बसों को कोई टोल टैक्स नहीं लगेगा।

शनिवार को परिवहन भवन में इस संबंध में एक बैठक हुई, जिसमें रेलवे, पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में यह तय किया गया कि ब्रिज के रखरखाव कार्य के कारण यह अस्थायी व्यवस्था लागू की जाएगी। ट्रेनों की बंदी और ब्रिज के आंशिक रूप से बंद होने के कारण 23 से 27 जनवरी तक भारी यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे इस दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

नहीं किया जा रहा नियमों का पालन, मैदान में ईंधन के इस्तेमाल में केएमसी की भूमिका से हाईकोर्ट नाखुश

कोलकाता, समाज्ञा : निर्देशों के बावजूद कुछ नहीं किया जा रहा है, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शनिवार को कोलकाता नगर निगम की भूमिका पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। बता दें कि अदालत ने गत बुधवार को विक्टोरिया मेमोरियल को प्रदूषण से बचाने के लिए कुछ आदेश जारी किए थे। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि विक्टोरिया के तीन किलोमीटर के दायरे में स्टोव, चारकोल, केरोसीन या अन्य जीवाश्म ईंधन से खाना नहीं पकाया जा सकता। न्यायमूर्ति देबांशु बसाक और न्यायमूर्ति शम्पा सरकार की खंडपीठ ने कोलकाता नगर निगम को मामले की पुष्टि के लिए नियमित अंतराल पर सर्वेक्षण कराने का भी आदेश दिया था। लेकिन आरोप हैं कि नगर निगम उस निर्देश का ठीक से पालन नहीं कर रही है। कथित तौर पर, परिसर में देवदार की लकड़ी, कोयला और जीवाश्म ईंधन का उपयोग किया जा रहा है। मैदान क्षेत्र के कई क्लब भी चारकोल और जीवाश्म ईंधन का उपयोग करके खाना पका रहे हैं। हालांकि, शुक्रवार को न्यायमूर्ति बसाक की खंडपीठ ने नगर निगम को जीवाश्म ईंधन के उपयोग को रोकने के लिए तत्काल अभियान चलाने का आदेश दिया। खंडपीठ ने आदेश का उल्लंघन करने वाले क्लबों के खिलाफ नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई पर एक रिपोर्ट भी अगली सुनवाई की तारीख पर प्रस्तुत करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 31 जनवरी को निर्धारित की गई है। हालांकि, नगर निगम सूत्रों के अनुसार, उन्होंने उच्च न्यायालय के आदेश के बाद कई बार परिसर पर छापे मारे हैं। चौक के निकट फुटपाथ की दुकानों पर पहले ही भारी जुर्माना लगाया जा चुका है और चेतावनी भी दी जा चुकी है। इसके अलावा, स्टेडियम में लकड़ी और जीवाश्म ईंधन का उपयोग करके खाना पकाने के लिए कई क्लबों को पहले ही नोटिस भेजा जा चुका है। लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

आरजीकर मामले में कोलकाता पुलिस की जांच की दिशा सही थी, प्रमाणित हो गया : कुणाल घोष

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में सियालदह कोर्ट ने संजय रॉय को दोषी करार दिया है। इस मामले में तृणमूल नेता कुणाल घोष ने कहा कि आज अदालत में आरोपी को दोषी घोषित किया गया है। आगे कोर्ट सजा का ऐलान करेगा। यह एक फेज के तहत है। इसलिए अभी इस मामले पर कोई भी टिप्पणी करना ठीक नहीं है। लेकिन यह निश्चित रूप से साबित हो गया है कि कोलकाता पुलिस ने आरजीकर केस में 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। इस केस में कोलकाता पुलिस ने जिस तरह से जांच किया, केस को लेकर जिस तरह से उनका फोकस था वह बिल्कुल ठीक था। आरोपी संजय ने कोर्ट में जज के सामने दावा किया कि उसे फंसाया गया है। इस पर, तृणमूल नेता ने कहा कि मैं इस पर कमेंट नहीं करूंगा। जितनी भी रिपोर्ट हैं, उससे साबित हो गया है कि दोषी संजय ही है।

आवश्यकता

अनुभवी Salesperson की आवश्यकता है, जिन्हें Ladies / Gents ड्रेस मटेरियल की जानकारी हो। Age Limit 45 Yrs. Contact- 9836991752

Name Change

I, Gokul Chakraborty Son of Gopal Chakraborty R/o Jyotsana Appartment, Flat No-304, 35/20, Chandra Master Road, Nonachandanpukur, Barrackpore(M), North 24, Parganas, West Bengal-700122, hereby undertake that I, Gokul Chakraborty want to change my name to Shrija Chakraborty and gender as FEMALE.

Lost & Found

I, Ranjeet Kr Yadav, lost my driving licence No. GJ18/2012/000891, Aadhar card No. 840552498361, PAN Card No.AEUPY1192D, Gun Licence No. GJK 1405022015000081, Ayushman No. NDRF/BSBS04010331, if any one find please return to postal address Ranjeet Kr Yadav, 7/2, Bondel Road, Kolkata-700019.

पश्चिम मध्य रेल

पत्र सं. बिक्री/1402/मु.मं/डब्ल्यू सीआर ई-नीलामी/प्रोग्राम/2024-25 दिनांक 16.01.2025

विषयः मार्च- 2025 का ई-नीलामी कार्यक्रम

मार्च-2025 के दौरान विभिन्न लोकेशन में मौजूद रद्दी माल की ई-नीलामी कार्यक्रम निम्न प्रकार है-

नीलामी का स्थान	सड़िपुका/ भोपाल	वैगन मरम्मत शॉपकोटा/	जबलपुर मंडल	भोपाल मंडल	कोटा मंडल
संबंधित व्यक्ति	उप मुख्य सा/ भोपाल (0755-2747414)	उप मुख्य सा/ कोटा (0744-2467082)	व/मं. सा.प्र. जबलपुर (0761-2623491)	व/मं. सा.प्र. भोपाल (0755-4001594)	व/मं. सा.प्र. कोटा (0744-2467006)
नीलामी की तिथि मार्च-2025	01.03.2025	01.03.2025	01.03.2025	01.03.2025	01.03.2025
	03.03.2025	03.03.2025	03.03.2025	03.03.2025	03.03.2025
	04.03.2025	04.03.2025	04.03.2025	04.03.2025	04.03.2025
	05.03.2025	05.03.2025	05.03.2025	05.03.2025	05.03.2025
	06.03.2025	06.03.2025	06.03.2025	06.03.2025	06.03.2025
	07.03.2025	07.03.2025	07.03.2025	07.03.2025	07.03.2025
	08.03.2025	08.03.2025	08.03.2025	08.03.2025	08.03.2025
	10.03.2025	10.03.2025	10.03.2025	10.03.2025	10.03.2025
	11.03.2025	11.03.2025	11.03.2025	11.03.2025	11.03.2025
	12.03.2025	12.03.2025	12.03.2025	12.03.2025	12.03.2025
	13.03.2025	13.03.2025	13.03.2025	13.03.2025	13.03.2025
	17.03.2025	17.03.2025	17.03.2025	17.03.2025	17.03.2025
	18.03.2025	18.03.2025	18.03.2025	18.03.2025	18.03.2025
	19.03.2025	19.03.2025	19.03.2025	19.03.2025	19.03.2025
	20.03.2025	20.03.2025	20.03.2025	20.03.2025	20.03.2025
	21.03.2025	21.03.2025	21.03.2025	21.03.2025	21.03.2025
	22.03.2025	22.03.2025	22.03.2025	22.03.2025	22.03.2025
	24.03.2025	24.03.2025	24.03.2025	24.03.2025	24.03.2025
	25.03.2025	25.03.2025	25.03.2025	25.03.2025	25.03.2025
	26.03.2025	26.03.2025	26.03.2025	26.03.2025	26.03.2025
	27.03.2025	27.03.2025	27.03.2025	27.03.2025	27.03.2025
	29.03.2025	29.03.2025	29.03.2025	29.03.2025	29.03.2025

नीलामी आइटमः- अनुपयोगी रेल और अन्य पी-वे सामग्री, कार्यालय से जारी सभी अनुपयोगी कास्ट आयरन अनुपयोगी रोलिंग स्टॉक, नॉन फेरस एवं नॉन मेटॉलिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, प्रयुक्त तेल, पेंट ड्रम, अनुपयोगी मशीनरी प्लांट, अनुपयोगी वाहन, अनुपयोगी कार्यालय उपकरण, एमएस/जीआई पाइप, फाउंड्री स्लैग और अन्य विविध स्क्रैप आदि।

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/बिक्री, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सियालदह स्टेशन से तीन रोहिंग्या गिरफ्तार, बंगाल से काश्मीर जाने की थी योजना

कोलकाता, समाज्ञा : मध्य कोलकाता के सियालदह रेलवे स्टेशन पर शनिवार को म्यांमार से आए तीन संदिग्ध अवैध रोहिंग्या घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार घुसपैठियों में दो नाबालिग लवड़कियां और एक पुरुष शामिल हैं। उनकी पहचान नूर फातिमा, सबू पानेकर और अब्दुल रहमान के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सियालदह पुलिस स्टेशन के कर्मियों को स्टेशन परिसर में तीनों की गतिविधियों पर संदेह हुआ और उन्होंने उनसे पहचान के दस्तावेज मांगे। इसके बाद, तीनों की असली पहचान उजागर हुई। वे सभी एक-दूसरे के रिश्तेदार हैं और म्यांमार के रखाइन प्रांत के निवासी हैं। सभी ने बिना वीजा और अन्य संबंधित दस्तावेजों के अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया। अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने से पहले, उन्हें बांग्लादेश के एक शरणार्थी शिविर में शरण दी गई थी।

पूछताछ में अब्दुल रहमान ने स्वीकार किया कि वे 20,000 रुपये प्रति व्यक्ति देकर अवैध रूप से भारत में घुसे थे। उसने यह भी स्वीकार किया कि उनका गंतव्य जम्मू-कश्मीर था, जहां उनके कुछ पूर्व परिचित थे। उसने स्वीकार किया कि वे पश्चिम बंगाल की एक छिद्रपूर्ण सीमा के माध्यम से अवैध रूप से भारत में घुसे और शनिवार की सुबह ट्रेन से सियालदह स्टेशन पहुंचे, जहां उन्हें पकड़ लिया गया। हालांकि, उसने पुलिस के सामने दावा किया है कि वे आजीविका की तलाश में जम्मू-कश्मीर जा रहे थे, लेकिन जांच अधिकारी उनके कोलकाता आने के पीछे अन्य उद्देश्यों की संभावनाओं से इनकार नहीं कर रहे हैं, जिसमें आतंकवाद या महिला तस्करी शामिल है। तीनों को स्थानीय अदालत में पेश किया गया। इस बीच, जांच अधिकारी उनके स्थानीय संपर्कों का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ कर रहे हैं, जिनकी मदद से वे अवैध रूप से राज्य में सीमा पार करने में कामयाब रहे।

अगले सप्ताह ममता मुर्शिदाबाद, मालदह और अलीपुरद्वार में करेंगी समीक्षा बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अगले सप्ताह तीन जिलों में प्रशासनिक समीक्षा बैठकें कर सकती हैं, जिनमें से पहली बैठक 20 जनवरी को मुर्शिदाबाद में होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मुर्शिदाबाद बैठक के बाद ममता, मालदह और अलीपुरद्वार की यात्रा कर सकती हैं। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को मुख्यमंत्री के मुर्शिदाबाद जाने की उम्मीद है, जहां वह लालबाग नवाब बहादुर इंस्टीट्यूशन ग्राउंड में प्रशासनिक समीक्षा बैठक करेंगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री उसी दिन मालदह जाकर 21 जनवरी को समीक्षा बैठक कर सकती हैं। अधिकारी ने बताया कि ममता 22 जनवरी को अलीपुरद्वार में प्रशासनिक समीक्षा बैठक कर सकती हैं और अगले दिन वह अलीपुरद्वार में सुभाषिनी चाय बागान में नेताजी की जयंती मनाएंगी। सूत्रों के मुताबिक, कार्यक्रम स्थल के बगल में खाली जगह पर हेलीपैड की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री की सभा से पहले या उस दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाये जा रहे हैं। महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस की निगरानी बढ़ायी जा रही है। मुर्शिदाबाद जिले की सीमा में नाका चेकिंग चल रही है।

बशीरहाट अदालत में जज से दुर्व्यवहार पर हंगामा, हाई कोर्ट ने जारी किया रूल

कोलकाता, समाज्ञा : बशीरहाट अदालत में अतिरिक्त जिला जज (एडीजे) के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों पर कोलकाता हाई कोर्ट ने सख्त कदम उठाते हुए बशीरहाट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव और अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना का रूल जारी किया। यह मामला हाई कोर्ट के जस्टिस देबांशु बसाक और जस्टिस मोहम्मद शब्बर रशिदी की डिवीजन बेंच में पेश हुआ। घटना के अनुसार, एडीजे के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप और उनके स्थानांतरण की मांग को लेकर वकीलों और लॉ क्लर्क्स ने बशीरहाट अदालत में विरोध प्रदर्शन किया, जिससे कोर्ट का कामकाज ठप हो गया। घटना का वीडियो हाई कोर्ट में पेश किया गया। हाई कोर्ट ने रूल जारी कर आरोपियों से जवाब मांगा है और बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के खिलाफ जानकारी भी तलब की है।

11.86 लाख रुपये की लूट का मामला सुलझा, तीन आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता : करया पुलिस स्टेशन ने 13 जनवरी को हुई 11.86 लाख रुपये की लूट का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना एस आईबी के कर्मचारी सागर हलदर के साथ तब हुई थी, जब वह गेट नंबर 5, क्रेस्ट मॉल, सैयद अमीर अली एवेन्यू के पास नकदी लेकर जा रहे थे।

❑ मामले का विवरण :

13 जनवरी 2025 की दोपहर लगभग 2:26 बजे, मोटरसाइकिल सवार अज्ञात व्यक्तियों ने सागर हलदर से बैग छीन लिया, जिसमें 11,86,028 रुपये थे। यह मामला करया थाने में दर्ज किया गया और पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी।

❑ गिरफ्तार आरोपी और बरामदगी :

❑ समीम (21 वर्ष): समीम, जो पुरबपारा, मुदियाहट का निवासी है, को 18 जनवरी की रात लगभग 12:55 बजे साशन थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक नीले रंग की यामाहा आर15 बाइक बरामद की गई।

❑ शाह आलम मोल्ला (26 वर्ष): मन्नान अली मोल्ला का बेटा शाह आलम मोल्ला को रात लगभग 2:55 बजे साशन थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 5,60,320 रुपये नकद बरामद हुए।

❑ बिकाश कुमार (39 वर्ष): बिकाश कुमार, जो महाबीर अपार्टमेंट, संतोषपुर का निवासी है, को सुबह लगभग 5:40 बजे गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 5,00,000 रुपये नकद बरामद हुए।

करया पुलिस ने मामले को तेजी से सुलझाने और आरोपियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने आरोपियों की संपत्ति की जांच करते हुए बड़ी रकम और चोरी की बाइक को जब्त किया है।

इस सफलता के बाद पुलिस ने आश्वासन दिया है कि वह इस तरह के अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखेगी।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर हंगामा, मालदह में सीमा पार से फेंके गए गैस बम

❑ बांग्लादेशी किसानों पर लगा फसल चोरी करने का आरोप
❑ दोनों देशों के किसानों के बीच पत्थरबाजी से बिगड़े हालात

मालदह : मालदह जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने के काम में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) द्वारा हाल में बाधा देने को लेकर जारी तनाव के बीच शनिवार को उसी जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय और बांग्लादेशी किसानों के बीच मामूली कहासुनी के कारण झड़प से स्थिति तनावपूर्ण हो गई। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने एक बयान में दावा किया कि प्रभावी हस्तक्षेप से हालांकि स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और फिलहाल वहां स्थिति सामान्य है। यह घटना बीएसएफ की 119वीं वाहिनी की सीमा चौकी सुखदेवपुर इलाके में सुबह लगभग 11.45 बजे की है। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर, बीएसएफ के प्रवक्ता व डीआईजी एनके पांडे ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब कुछ भारतीय किसान सामान्य दिनों की तरह अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अपने खेतों में काम करने के उद्देश्य से आगे गए हुए थे। इसी दौरान, भारतीय किसानों ने सीमापार खेतों में काम कर रहे बांग्लादेशी किसानों पर फसल चोरी करने का आरोप लगाया जिस वजह से दोनों देशों के किसानों के बीच आपसी बहस शुरू हो गई। घटना ने तूल तब पकड़ा जब दोनों पक्षों के किसान बड़ी संख्या में एकत्र होने लगे और एक दूसरे पक्ष की तरफ गाली गलौज व पत्थरबाजी करने लगे। इस इलाके में काफी बड़े भाग में सीमा पर तारबंदी के न होने से भारतीय किसानों को भी आगे जाने में रुकावट का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बीएसएफ और बीजीबी के जवानों ने मौके पर पहुंचकर अपने-अपने देश के किसानों को तितर-बितर करते हुए स्थिति को नियंत्रण में किया और उनको वापस लौटाया। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार, हुड़दंग कुछ समय तक चला पर इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। बीएसएफ ने भारतीय किसानों को सीमा पर इस तरीके के विवादों से दूर रहने की सलाह दी है और भविष्य में सीमा पर खेती से संबंधित कोई भी समस्या होने पर बल को सूचित करने के लिए कहा है। बयान में बताया गया कि बीजीबी ने भी स्थिति को नियंत्रण करने में सकारात्मक भूमिका निभाई और अविलंब अपने क्षेत्र में जरूरी कार्यवाही कर स्थिति बिगडने से रोक दिया। उन्होंने बताया कि भारतीय किसानों को पूरी तरह वापस कर लिया गया है परंतु अंतरराष्ट्रीय सीमा रेखा से करीब 50-75 मीटर बांग्लादेश के भीतर कुछ बांग्लादेशी नागरिको की उपस्थिति दोपहर बाद तक देखी गई जिन्हें बीजीबी द्वारा हटाने का प्रयास लगातार करते देखा गया। बीएसएफ प्रवक्ता ने दावा किया कि सीमा पर स्थिति अब सामान्य और नियंत्रण में है।

भारतीय रेलवे सुरक्षा बल का डिजिटल कदम, सोशल मीडिया से सुरक्षा और समावेशन को नया आयाम

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने यात्रियों की सुरक्षा और जन जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया के प्रभावशाली उपयोग को प्राथमिकता दी है। यह कदम डिजिटल युग में कानून प्रवर्तन को अधिक सशक्त और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आरपीएफ, जो प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, और यूट्यूब जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग संवाद, विश्वास निर्माण और सुरक्षा अभियानों को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है।

❑ डिजिटल माध्यम से सुरक्षा और जागरूकता

ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफार्म आरपीएफ को यात्रियों से रीयल-टाइम में जुड़ने और उनकी शिकायतों का समाधान करने में सक्षम बनाते हैं। इन माध्यमों का उपयोग सुरक्षा अलर्ट, आपातकालीन दिशा-निर्देश और जागरूकता अभियानों को तेजी से प्रसारित करने के लिए किया जा रहा है। महिलाओं और बच्चों जैसे अरक्षित समूहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ऑपरेशन मेरी सहेली और ऑपरेशन एएएचटी जैसे अभियानों का डिजिटल प्रचार यात्रियों को सतर्कता और भागीदारी की प्रेरणा देता है। आरपीएफ सोशल मीडिया के माध्यम से न केवल अपराध रोकथाम को प्रभावी बना रहा है, बल्कि अपनी छवि को संवेदनशील और सहयोगी संस्था के रूप में भी स्थापित कर रहा है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और पोस्ट, जैसे कि तस्करी से बचाए गए बच्चों की कहानियां, जनसाधारण के साथ भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करते हैं।

❑ चुनौतियां और समाधान

सोशल मीडिया के उपयोग में भ्रामक जानकारी और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियां सामने आती हैं। आरपीएफ इन समस्याओं को सत्यापित अकाउंट, डिजिटल साक्षरता अभियान, और उन्नत निगरानी उपकरणों के माध्यम से हल करने का प्रयास कर रहा है। यह पहल न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करने का साधन है, बल्कि सामाजिक विश्वास और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने का प्रभावशाली उदाहरण भी है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस का शानदार प्रदर्शन, 31 दिसंबर 2024 तक नया प्रीमियम 26,256 करोड़

कोलकाता, समाज्ञा : एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अवधि में 26,256 करोड़ रुपये का नया बिजनेस प्रीमियम दर्ज किया, जो 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि में 26,000 करोड़ रुपये था। नियमित प्रीमियम में 12% की वृद्धि के साथ, सुरक्षा नया व्यवसाय प्रीमियम 2,792 करोड़ रुपये और प्रोटेक्शन इंडिविजुअल नया प्रीमियम 519 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का टैक्स के बाद लाभ 1,600 करोड़ रुपये रहा, जबकि सॉल्वेंसी अनुपात 2.04 पर मजबूत बना हुआ है। एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 19% बढ़कर 4,41,678 करोड़ रुपये पहुंचा। देशभर में 1,086 कार्यालयों और 3,09,590 प्रशिक्षित पेशेवरों के साथ एसबीआई लाइफ का वितरण नेटवर्क मजबूत है। बैंकएश्योरेंस चैनल, एजेंसी चैनल और अन्य माध्यमों से इसकी व्यापक उपस्थिति है।

मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में हंगामा, महिला आयोग की बैठक के दौरान जूनियर डॉक्टरों का विरोध

मेदिनीपुर : प्रसूति और नवजात शिशु की मौत के मामले में विवादों के बीच शनिवार को मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में एक और तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। शनिवार दोपहर, राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य के साथ कॉलेज प्रशासन की बैठक के दौरान बेशर्मी से जूनियर डॉक्टरों ने बैठक में घुसकर विरोध प्रदर्शन किया। डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक और प्रमुखों को घेर लिया। हालांकि, महिला आयोग की सदस्य के खिलाफ किसी प्रकार के विरोध का कोई संकेत नहीं था, जैसा कि डॉक्टरों ने बाद में बताया। बताया जा रहा है कि महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक और सीएमओएच के साथ अकादमिक बिल्डिंग में बैठक की थी।

इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैठक में घुसकर अपनी आवाज उठानी शुरू कर दी। डॉक्टरों का कहना था कि उनकी बातें नहीं सुनी जा रही थीं और उन्हें बैठक से बाहर किया गया था। इस कारण, विरोध प्रदर्शन ने और जोर पकड़ लिया। इसी बीच, मेडिकल कॉलेज के नए अधीक्षक डॉ. इंद्रनील सेन ने बैठक से बाहर आकर प्रदर्शनकारियों से बात की, लेकिन हालात काबू में नहीं आए। हालांकि, जूनियर डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि उन्हें महिला आयोग की सदस्य से कोई आपत्ति नहीं थी और वह जब चाहें बैठक छोड़ सकती हैं।

ज्ञान भारती स्कूल के पुराने मित्रों की यादगार मिलन गोष्ठी

कोलकाता, समाज्ञा : ज्ञान भारती स्कूल से पढ़े 1966 व 1967 के विद्यार्थी कई वर्षों बाद लेकटाउन के होटेल एन के सेवेन के बैक्वेंट सभागार में आयोजित एक एलमनी पार्टी में मिले, जिसे स्कूल के टॉपर रहे पवन बजाज ने आयोजित किया था। आयोजन का संचालन कर रहे ज्ञान भारती के ही 1967 में उत्तीर्ण महाबीर प्रसाद रावत ने बताया कि करीब दो महीने से इस आयोजन को लेकर प्रयास चल रहा था। 40 ऐसे मित्रों से संपर्क किया गया जो इस अवधि में स्कूल में पढ़े थे।17 मित्र कोलकाता से बाहर रहने के कारण नहीं आ पाये। 23 मित्रों ने आयोजन में हिस्सा लिया। गोपाल दास बागड़ी विशेष रूप से इस आयोजन के लिए बंगलौर से कोलकाता आये। शामिल हुए सभी मित्रों को अपना परिचय देने को कहा गया। 1966 में वाणिज्य विभाग में प्रथम रहे कैलाश मुकीम तथा द्वितीय रामदत्त टिबडेवाल एवं विज्ञान विभाग में प्रथम श्रेणी में प्रथम पवन बजाज व द्वितीय शरद दूगड़ ने स्कूली जीवन के बाद शुरु हुए अपने सफर के बारे में उपस्थित मित्रों को विस्तार से बताया। कला विभाग के एकमात्र छात्र रहे कृष्ण कुमार मुरारका ने तब और अब के जीवन में आए बदलाव की बातें बताई। गोवर्धन दास बागड़ी, श्रीकृष्ण तुलस्यान, यादव कुमार चन्नानी, सुशील चांगिया, मदन मोहन भट्टड़, अजीत सिंघी, रमाकांत गुप्ता, महेंद्र पोद्दार, मदनलाल अग्रवाल, प्रमोद पोद्दार, सज्जन सेकसरिया, कृष्ण कुमार सराफ, रमेश पोद्दार, राजेन्द्र दूगड़ एवं सुरेश चौधरी सभी पुराने मित्रों एवं सहपाठियों से मिलकर बहुत खुश हुए। विशिष्ट उद्यमी व लोकप्रिय गायक सत्यनारायण तिवाड़ी ने गीतों के सफर पर संगीत का सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। आयोजन में विशेष रूप से उपस्थित हुए ज्ञान भारती स्कूल के अध्यक्ष व बिड़ला समूह के सर्वोच्च पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद पसारी ने अपना वक्तव्य रखा।

कूचबिहार में पुलिस की पिटाई से महिला की मौत का आरोप, विरोध में सड़क अवरोध

कूचबिहार : पुलिस की पिटाई से महिला की मौत का आरोप सामने आया है। शनिवार को स्थानीय लोगों ने इसे लेकर सड़क जामकर प्रदर्शन किया जिससे कूचबिहार के हरिनचौरा इलाके में काफी तनाव फैल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थानीय अंबिया बीबी के पुत्र अमजद अली की तोर्शा डैम रोड पर फास्ट फूड की दुकान है। पिछले बुधवार को एक पुलिस कार चालक वहां कार की सफाई कर रहा था। इस दौरान, चालक के साथ अमजद का विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद शुक्रवार की देर रात पुलिस की पांच गाड़ियों हरिनचौरा इलाके में अमजद के घर पहुंची और घर के लोगों की जमकर पिटाई कर दी। आरोप है कि पुलिस की पिटाई के बाद अंबिया बीबी बुरी तरह घायल हो गई। जिससे कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद शनिवार को ग्रामीणों ने कूचबिहार-दिनहाटा राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। करीब डेढ़ घंटे की घेराबंदी के बाद पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे तो हालात काबू में आया। अंबिया बीबी के शव को एमजेएन मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एमजेएनएमसीएच) मुर्दाघर भेज दिया गया है। इस संबंध में पुलिस उपाधीक्षक (सदर) चंदन दास ने कहा कि दोनों पक्षों की बात सुनी जायेगी। हम मामले की जांच कर रहे हैं। दोषी पाए जाने पर सजा दी जाएगी। चाहे वो पुलिस हो या कोई भी।

डेबरा अस्पताल में नवजात की मौत पर लापरवाही का आरोप, परिजनों का विरोध प्रदर्शन

मेदिनीपुर : मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 'विषैला' सलाइन के इस्तेमाल को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब एक नवजात की मौत का मामला सामने आया है। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के डेबरा स्थित एक निजी अस्पताल में यह घटना घटी है। अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मिता जाना पोड़िया नामक गर्भवती महिला 14 जनवरी को डेबरा के निजी अस्पताल में भर्ती हुई थी। 15 जनवरी को उन्होंने एक स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया, लेकिन अगले दिन से नवजात अस्वस्थ हो गया और खाना पीना बंद कर दिया। परिवार ने यह जानकारी नर्स और डॉक्टरों को दी, लेकिन कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया, इस पर आरोप लगाया गया है। अगले दिन बच्चे ने फिर से स्तनपान किया, जिससे परिवार ने सोचा कि बच्चा ठीक है, लेकिन शनिवार सुबह तीन बजे के करीब नवजात की मौत हो गई। इसके बाद परिवार को इसकी जानकारी दी गई। घटना के बाद अस्पताल में विरोध प्रदर्शन हुआ और मृतक बच्चे के पिता संदीप पोड़िया ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। मौके पर पहुंची डेबरा थाना की पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया।

पूर्व रेलवे आरपीएफ ने ऑपरेशन अमानत और ऑपरेशन डिग्निटी के तहत दर्ज की बड़ी सफलता

कोलकाता, समाज्ञा

पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने यात्रियों की सुरक्षा और उनके सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चल रहे अभियानों ऑपरेशन अमानत और ऑपरेशन डिग्निटी के तहत उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। ऑपरेशन अमानत के तहत 17 जनवरी को, हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदह मंडलों के आरपीएफ अधिकारियों ने ट्रेनों और रेलवे परिसर में यात्रियों द्वारा छोड़े गए कई सामानों को सफलतापूर्वक बरामद किया। इनमें मोबाइल फोन, तानपुरा, जैकेट, 16 बैग शामिल हैं। बरामद सामान का कुल मूल्य 2,56,795 रुपये आंका गया है। ये सामान हावड़ा, बंडेल, डानकुनी, बजबज, सियालदह, कोलकाता, जामताड़ा, आसनसोल, दुर्गापुर, मधुपुर और भागलपुर रेलवे स्टेशनों से बरामद किए गए। वहीं, ऑपरेशन डिग्निटी के तहत, 16 जनवरी को, सियालदह मंडल के आरपीएफ अधिकारियों ने काकद्वीप रेलवे स्टेशन पर एक वृद्ध महिला को बचाया, जो गंगासागर यात्रा के दौरान अपने समूह से बिछड़ गई थीं। आरपीएफ टीम ने महिला की सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित की और उनके परिवार का पता लगाकर 17 जनवरी, 2025 को सत्यापन के बाद उन्हें सौंप दिया।

गंगासागर से लौटे साधुओं के सम्मान में विशाल भंडारा आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : गंगासागर मेले से लौटे संत-महात्माओं के सम्मान में शनिवार को श्री रामेश्वरनाथ महादेव मंदिर, मछुआ में ब्रह्मलीन महंत हरिहर पुरी जी की स्मृति में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह भंडारा स्वामी त्रिभुवनपुरी जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित हुआ और सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक चला। इस भंडारे में हजारों लोगों ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

स्वामी त्रिभुवनपुरी जी महाराज ने बताया कि इस भंडारे की परंपरा 1935 में उनके दादागुरु ने शुरू की थी, जिसे आज भी श्रद्धापूर्वक निभाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें पार्षद विजय उपाध्याय, रीता चौधरी, कामाख्या सिंह, रामचंद्र बड़ोपोलिया, रमेश लखोटिया, अशोक ओझा, ललित गुप्ता, डॉ. उमेश चौधरी, कमल लाखोटिया, सुरेश पांडे, गणेश शर्मा, अनिल सिंह, अनिल शर्मा, लल्लू सिंह, प्रभात तिवारी, संजीव शर्मा, सोनू शर्मा, उमेश सिंह, दारा सिंह, लालबहादुर पाठक, भरत सिंह, राजीव जायसवाल, गोविंद इंदोरिया, कविता गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहे। इस कार्यक्रम की सफलता में अरविंद बियानी, अनिल जालान और ट्रस्ट मंडल के सदस्यों सहित अन्य ने सक्रिय योगदान दिया।

शंकराचार्य निश्चलानंद जी ने सागर द्वीप में 7 कमरों का उद्घाटन किया

सागरद्वीप : वीर अभिमन्यु सपोर्टिंग क्लब की ओर से गंगासागर तीर्थयात्रियों की सेवार्थ शिविर के अवसर पर शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती के कर कमलों से 7 नव निर्मित कमरों का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। शंकराचार्य निश्चलानंद जी ने तीर्थयात्रियों को शुभकामना दी। संस्था के चेयरमैन गोरधन निगानिया, विष्णु सरावगी, मुकेश निगानिया, नवीन झा, सुरेश अग्रवाल ने शंकराचार्य निश्चलानंद जी का स्वागत किया। गोरधन निगानिया ने बताया समाजसेवी आलोक सक्सेना, निभा प्रकाश, अनिल चिड़ीपाल, श्यामसुंदर बड़वेवाला, बनवारीलाल सोती, मोहन निगानिया, हरिबदन मोदी (यूएसए) ने सात कमरों के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। 90 वर्षों से सेवा कार्यों में सक्रिय वीर अभिमन्यु स्पोर्टिंग क्लब की ओर से सागरद्वीप में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिये आवास, भोजन, चाय, महाप्रसाद, प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की गई। धनिया निगानिया, संदीप टिबडेवाल, दिनेश भरतिया, जीतू ओझा, विष्णु मजूमदार, तेजा सिंह, लालू दे एवं कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

कुशल भारत समूह का पुरुलिया को अभिनव उपहार, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल का उद्घाटन

पुरुलिया : पश्चिम बंगाल के पिछड़े जिलों में शुमार पुरुलिया में कुशल भारत समूह के कुशल एजुकेशनल फाउंडेशन के तहत चर्चित दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की शाखा का उद्घाटन हुआ। यह विद्यालय क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से खोला गया है। इस कार्यक्रम में पुरुलिया जिला प्रशासन के महत्वपूर्ण अधिकारियों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में बांग्ला सिनेमा के प्रसिद्ध नायक प्रसेनजीत चटर्जी, पुरुलिया जिला सभाधिपति निवेदिता महतो, पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी, आद्रा संभाग के विभागीय रेल प्रबंधक सुमित नरूला और एसटीपीएस के मुख्य प्रबंधक अभिजीत नंदी उपस्थित थे। सभी ने कुशल भारत समूह की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कुशल भारत समूह के संस्थापक नरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि पुरुलिया उनकी जन्मभूमि है और इसका विकास उनकी प्राथमिकता है। आदिवासी समुदाय बहुल इस जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं और औद्योगिक विकास के माध्यम से वे स्थानीय युवाओं को आगे बढ़ाने का उपक्रम करते रहे हैं। पिछले 25 वर्षों में समूह ने यहां औद्योगिक इकाइयां, आवासीय परिसर, पर्यटन स्थलों और अब शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने का काम किया है। यह विद्यालय शिक्षा के साथ तकनीकी प्रशिक्षण, खेलकूद और आधुनिक सोच पर विशेष जोर देगा।

आद्यापीठ में आठ हजार असहायों में कंबल व साड़ी वितरण

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिणेश्वर रामकृष्ण संघ (आद्यापीठ) के संस्थापक श्रीमत अन्नदा ठाकुर की 134वीं जयंती, 104वें सिद्धोत्सव और मंदिर की 58वीं स्थापना दिवस पर शनिवार को हजारों गरीब, असहाय, और दिव्यांगों में ठंड से बचाव के लिए कंबल और महिलाओं में साड़ी वितरित किए गए। इसमें लगभग पांच हजार महिलाओं को साडिय़ां और लगभग तीन हजार लोगों को कंबल प्रदान किए गए। इस दौरान विश्व भातृत्व और सांप्रदायिक सौहार्द विषय पर सेमिनार भी आयोजित किए गए। सुबह आद्यापीठ में आयोजित सामाजिक दायित्व के इस बड़े सेवामूलक आयोजन में विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी, विधायक निर्मल मांझी, कोलकाता के पूर्व मेयर शोभन चटर्जी, प्रोफेसर बैशाखी बनर्जी, कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व न्यायधीश तपन मुखर्जी, कमरहट्टी नगरपालिका के चेयरमैन गोपाल साहा समेत कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने आद्यापीठ के सेवामूलक कार्यों की सराहना की। उन्होंने आद्यापीठ के अनाथों और विद्यार्थियों को खूब मन लगाकर पढऩे की सलाह दी और बच्चों को आशीर्वाद दिया।

संत की कृपा से मिलते हैं भगवान राम : शिवम विष्णु पाठक

कोलकाता, समाज्ञा : भगवान राम के परम भक्त हैं हनुमान जी। भक्त कभी झूठ नहीं बोलते पर जब कभी झूठ बोलना पड़े तो पकड़ में आ जाता है। ब्राह्मण का वेश बनाकर जब हनुमान जी भगवान राम को प्रणाम करते हुए परिचय पूछा, आप कौन है? किस उद्देश्य से वन में घूम रहे हैं? राम समझ गए, यह मेरा भक्त हनुमान है। यदि यह ब्राह्मण वास्तव में होता तो मुझे प्रणाम नहीं करता। राम ने अपना परिचय देते हुए कहा, ब्राह्मण देवता आप कौन हैं? इतना सुनते हनुमान जी समझ गए कि मेरा झूठ पकड़ा गया। हनुमान जी ने कहा, प्रभु! यह जीव आपको नहीं पहचान पाया। आप कैसे भूल गए? राम जी ने हनुमान को आश्वस्त करते हुए कहा, तुम लक्ष्मण से दुगने प्रिय हो। हनुमान जी परम संत हैं। एक संत ही भगवान से जीव को मिलवाता है। हनुमान जी सुग्रीव और विभीषण को भगवान राम से मिलवाते हैं। सीता की खोज में जब वानरी सेना समुद्र तट पर पहुंची, सामने सौ योजन का समुद्र, कौन उस पार जाए? जामवंत जी ने हनुमान जी से कहा, आप चुप क्यों हो? हनुमान! रामकाज के तुम्हारा जन्म हुआ है। इतना सुनते ही हनुमान पर्वताकार होकर सिंहनाद करते हुए बोले, जामवंत जी! मुझे क्या करना है? जामवंत जी ने कहा कि आपको रामजी का संदेश जानकी जी को और जानकी जी का संदेश राम जी को सुनाना है। हनुमान जी समझ गए। प्रभु, यश अपने भक्त को देते हैं। कोई अच्छा काम हो रहा है तो समझ लीजिए प्रभु ने आपको चुना है। जानकी भक्ति स्वरूपा है। कोई साधक अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है तो उसे भी सात्विक, राजसिक और तामसिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे हनुमान जी को मैनाक-सुरसा, सिंहिका और लंकिनी के रूप में बाधाओं का सामना करना पड़ा। हनुमान छोटा रूप धारण कर रातभर जानकी को ढूंढते रहे, पूरा पुरूषार्थ कर लिए, पर जानकी नहीं मिली। जहां पुरूषार्थ और सामर्थ्य समाप्त होता है। वहीं से कृपा शुरू होती है। ब्रह्ममुहूर्त में विभीषण राम-राम कहते हुए जगे। हनुमान जी ने सोचा, यह राम भक्त की आवाज लगती है।

साधु की संगति किसी तरह हानिकारक नहीं होती। जीवन में यह सिद्धांत अपना लो, अगर कोई संत नाता तोड़ना चाहता है तो मत तोड़ो और कोई दुष्ट नाता जोड़ना चाहता है तो उसे मत जोड़ो। अशोक वाटिका में विकल जानकी जी को हनुमान पहले राम कथा सुनाकर राम मुद्रिका दिए। जानकी जी पहचान गई, हनुमान से परिचय हुआ। जानकी समझ गई यह वानर हनुमान भगवान राम का परम भक्त है। प्रसन्न मन से जानकी हनुमान जी को आशीर्वाद दी, कही-तुम अजर-अमर हो जाओ। बल-बुद्धि और सारे सद्गुण तुझे मिल जाए। इतना मिलने के बावजूद हनुमान प्रसन्न नहीं हुए। अंत में जानकी जी ने कहा, पुत्र हनुमान! तुझ पर राम जी खूब नेह-छोह करें। इतना सुनते हनुमान जी बोले, मां अब मैं कृत-कृत हो गया। मुझे मालूम है, मां(जानकी) का आशीर्वाद कभी व्यर्थ नहीं जाता। ये बातें मुस्कान क्लब के तत्वावधान में श्रीराम कथा पर प्रवचन करते हुए पूज्य शिवम विष्णु पाठक ने तोदी भवन, तुलसीधाम (बांगुर) सभागार में कहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगीता सराफ, सरोज लाखोटिया, कुसुम रूंगटा, मंजू चौधरी, पूनम बागला, उर्मिला बगड़िया, मधु वर्मा, उमा अग्रवाल, किरण अग्रवाल सहित अन्य सक्रिय रहे।

मालदह रेलवे अस्पताल में पहली बार हुआ आधुनिक तकनीक से सफल ऑपरेशन

कोलकाता, समाज्ञा : मालदह मंडल रेलवे अस्पताल ने चिकित्सा के क्षेत्र में नई सफलता हासिल की है। 71 वर्षीय मरीज की बाईं जांघ की बेसिसर्विकल फ्रैक्चर समस्या का इलाज आधुनिक ऑर्थोपेडिक तकनीक से किया गया। इस प्रक्रिया में क्लोज्ड रिडक्शन और इंटरनल फिक्सेशन (सीआरआईएफ) पद्धति के तहत शॉर्ट परक्यूटेनियस फीमर नेलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इस विशेष ऑपरेशन का नेतृत्व मालदह की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुपा घोष ने किया। ऑपरेशन को कुशलतापूर्वक पूरा करने वाली टीम में डॉ. एस. बनर्जी (मंडल चिकित्सा अधिकारी और ऑर्थोपेडिक सर्जन) और डॉ. पी.पी. भट्टाचार्य (एनेस्थेटिस्ट) शामिल थे। फ्लोरोस्कोपिक गाइडेंस और पारंपरिक ट्रैक्शन टेबल के सहारे यह प्रक्रिया न्यूनतम आक्रामक तकनीक से की गई। इस अभिनव तकनीक से मरीज को अगले ही दिन खड़े होने और चलने की क्षमता प्राप्त होगी, जिससे उनकी तेजी से रिकवरी सुनिश्चित हो सकेगी।

पूर्व रेलवे ने चिकित्सा सेवाओं में गुणवत्ता और आधुनिकता को प्राथमिकता देते हुए अपने मरीजों को नवीनतम और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। इस प्रकार की उन्नत तकनीकों के उपयोग से ऑर्थोपेडिक समस्याओं के इलाज को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा रहा है।

लोगों की मांग, आरजीकर मामले की जारी रहनी चाहिए जांच

❑ **शनिवार को सजा की घोषणा नहीं होने से लोगों में दिखी मायूसी**

❑ **फैसले से पहले सियालदह अदालत परिसर के बाहर जुट गई थी भारी भीड़**

कोलकाता, समाज़ा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म व हत्या के मामले में मुख्य आरोपित संजय राय को शनिवार को दोषी करार दिए जाने से पहले आशा और आशंका के बीच सियालदह न्यायालय की ओर पूरे देश की निगाहें टिक गई थी एवं अदालत परिसर के इर्द-गिर्द भारी भीड़ इकट्ठा हो गई थी। अदालत कक्ष 210 में न्यायाधीश अनिर्बान दास ने दोपहर करीब 2.30 बजे संजय राय को दोषी करार देते हुए सोमवार को सजा सुनाए जाने की घोषणा की। अदालत के इस निर्णय की खबर सामने आते ही अदालत परिसर के बाहर जुटी भीड़ ने प्रसन्नता जताई, लेकिन इसके साथ आज सजा की घोषणा नहीं होने से कुछ लोगों में काफी मायूसी भी दिखी। दूसरी ओर, अदालत परिसर के बाहर जुटी भीड़ में से कुछ लोगों ने आरजीकर मामले की जांच आगे भी जारी रखने की मांग की।

❑ **फांसी की सजा की मांग को लेकर जमकर हुई नारेबाजी**

आरोपित संजय राय को फांसी की सजा दिए जाने की मांग को लेकर अदालत परिसर के बाहर लोगों ने जमकर नारेबाजी भी की। बांग्ला पक्ष के सदस्यों ने बैनर व पोस्टर के साथ फांसी की सजा की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। इसी तरह वेस्ट बंगाल जूनियर डॉक्टर फ्रंट सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी अदालत परिसर के बाहर फांसी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

सियालदह में था त्रिस्तरीय सुरक्षा-व्यवस्था

आरजीकर कांड में आरोपित को दोषी करार दिए जाने के फैसले के मद्देनजर अदालत परिसर के बाहर कोलकाता पुलिस द्वारा सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों के साथ रैफ व काम्बैट फोर्स को भी तैनात किया गया था। अदालत परिसर के बाहर मजबूत बैरिकेडिंग भी की गई थी। आमतौर पर, अस्त-व्यस्त रहने वाले अदालत परिसर व उसके आसपास तनाव का माहौल नजर आया। चारों तरफ सिर्फ आरजीकर मामले को लेकर ही चर्चा की जा रही थी और उनके शब्दों में आशा और संदेह का मिश्रण था। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, यह सिर्फ एक मामला नहीं है, यह हमारे देश में न्याय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। एक स्थानीय व्यक्ति ने पूछा, क्या उसे अधिकतम सजा मिलेगी? सीबीआई ने संजय राय के लिए अधिकतम सजा की मांग की है।

चिकित्सकों ने आरजीकर मामले में न्याय मिलने तक प्रदर्शन जारी रखने का संकल्प लिया

कोलकाता के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सकों ने शनिवार को यहां एक विरोध रैली निकाली और आरजीकर अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म व उसकी हत्या के मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय को दोषी करार दिये जाने पर असंतोष जताते हुए मांग की कि मामले में कथित तौर पर शामिल सभी लोगों को सीबीआई अदालत के कठघरे में लाए। आरजीकर अस्पताल सहित शहर में राज्य सरकार संचालित अस्पतालों के कनिष्ठ और वरिष्ठ चिकित्सकों ने सियालदह अदालत के बाहर एक रैली निकाली। उन्होंने कहा कि उनका प्रदर्शन अपराध के पीछे की सच्चाई सामने आने तक जारी रहेगा। जूनियर चिकित्सक अनिकेत महतो ने कहा कि संजय को दोषी करार दिया गया है, लेकिन अन्य दोषियों का क्या? उसने अकेले इस अपराध को कैसे अंजाम दिया होगा ? केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है, लेकिन घटनास्थल कहां है? हमारे समक्ष अब भी अनुत्तरित प्रश्न हैं। आंदोलनकारी चिकित्सकों ने यह सवाल भी किया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूरक आरोप पत्र क्यों दाखिल नहीं किया। एक अन्य चिकित्सक अशफाकउल्ला ने सवाल किया कि पूरक आरोप पत्र कहां है? सीबीआई ने कहा था कि वे जल्द ही दाखिल करेंगे। चिकित्सकों ने मामले में 20 मुख्य सवाल उठाए, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि वे अनुत्तरित हैं। उन्होंने कहा कि अपराध स्थल के साथ छेड़छाड़ की गई थी। उन्होंने कहा कि इसके स्पष्ट सबूत हैं। साथ ही, पीड़िता के शरीर पर कई लोगों के वीर्य के नमूनों की मौजूदगी का क्या कारण है? सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने वालों को दंडित किये जाने तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। चिकित्सकों ने 20 सवालों की सूची वाले पर्चे लोगों को बांटे और उनसे विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने का आग्रह किया। वरिष्ठ चिकित्सक पबित्रा गोस्वामी ने कहा कि जब तक सभी दोषियों पर मामला दर्ज नहीं हो जाता, वे विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। गोस्वामी ने कहा कि हम अदालत के इस निर्णय से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं। यह वास्तव में उन लोगों की मदद करने के लिए है जो अपराध में समान रूप से शामिल थे। हम सड़कों पर उतरना जारी रखेंगे जब तक कि न्याय नहीं मिल जाता और बड़ी साजिश का खुलासा नहीं हो जाता।

कई हस्तियों ने मामले में शामिल लोगों की पहचान नहीं कर सकने पर निराशा जताई

आरजीकर दुष्कर्म-सह-हत्याकांड के खिलाफ प्रदर्शनों में सबसे आगे रहने वाली कई बांग्ला फिल्म हस्तियों ने इस बात को लेकर शनिवार को निराशा व्यक्त की कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या में शामिल सभी लोगों की पहचान नहीं कर सकी। आरजीकर विरोध प्रदर्शनों से करीब से जुड़ी अभिनेत्री-निर्देशिका चैती घोषाल ने बताया कि सीबीआई जांच में रॉय के खिलाफ आरोप-पत्र तैयार किया गया, जिसमें उसे इस भयावह घटना में एकमात्र अपराधी माना गया। घटना के 48 घंटे के भीतर कोलकाता पुलिस की जांच भी उसी निष्कर्ष पर पहुंची। इससे कई सवाल, कई पहेलियां अनुत्तरित रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी न्यायिक प्रणाली पर भरोसा है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि जांच एजेंसी द्वारा की गई जांच पूरी तरह से की गई थी या नहीं। हम और हजारों लोग अगस्त और उसके बाद के महीनों में पीड़िता के लिए न्याय और हर महिला की सुरक्षा की मांग करते हुए सड़क पर उतरे थे। यह व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। मृतका के लिए न्याय को लेकर विरोध प्रदर्शनों का एक और प्रमुख चेहरा रहीं अभिनेत्री उषाशी चक्रवर्ती ने कहा कि रॉय निश्चित रूप से (अपराध में) शामिल था, लेकिन वह सिर्फ एक मोहरा है और ऐसे अन्य लोग भी हो सकते हैं जो इसमें शामिल थे, लेकिन केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा उन लोगों की पहचान नहीं की गई। वे बेदाग हैं। लेखिका और कार्यकर्ता शताब्दी दास ने कहा कि 'अभया मंच' के बैनर तले 2,000 से अधिक लोगों ने सियालदह स्टेशन से मौलाली तक पैदल मार्च किया। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

आरजीकर फैसले पर गरमाई सियासत, पक्ष-विपक्ष में चला जुबानी जंग

ममता सबूत नष्ट करने में शामिल, उनको दोषमुक्त नहीं किया जा सकता : अमित मालवीय

कोलकाता : आरजीकर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में महिला चिकित्सा से दुष्कर्म व हत्या मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपित संजय राय को शनिवार को दोषी ठहराए जाने के बाद सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के बीच सियासत भी गरमा गई है। भाजपा के आइईटी सेल के प्रमुख और बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस आरजीकर मामले में सबूत नष्ट करने में शामिल थी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि आरजीकर दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपित संजय राय को दोषी करार दिया जाना पीड़िता महिला डॉक्टर के लिए न्याय की दिशा में पहला महत्व-पूर्ण कदम है। हालांकि, इससे कोलकाता पुलिस या मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दोषमुक्त नहीं किया जा सकता, जो सबूत नष्ट करने और अपराध को छिपाने की कोशिश में शामिल थे। मालवीय ने कहा कि न्याय का पहिया धीरे-धीरे घूमता है, लेकिन ठीक से घूमता है। भाजपा बंगाल में न्याय की तलाश में पीड़ित परिवार के समर्थन में मजबूती से खड़ी है।

❑ **भाजपा ने की अधिकतम सजा की मांग**

वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि हम अधिकतम सजा की मांग करते हैं। हालांकि, उन्होंने साथ ही कहा कि न केवल संजय राय, बल्कि कई अन्य को भी सजा मिलनी चाहिए। उनके अनुसार, हमें इस बात पर काफी संदेह है कि कोलकाता पुलिस द्वारा शुरुआती पांच दिनों की जांच के साक्ष्य कहां गए। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता सरकार व पुलिस ने मिलकर सबूतों को नष्ट किया।

❑ **तृणमूल ने किया पलटवार, कहा... 'राजनीतिक हित के लिए गलत सूचना फैलाने की कोशिश'**

वहीं, भाजपा नेता के बयान पर पलटवार करते हुए तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने कहा कि लोगों के एक वर्ग ने अपने राजनीतिक हित के लिए गलत सूचना फैलाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने खुद घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है और दोषियों को मृत्युदंड देने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में दोषी को फांसी देने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरने वाले पहले व्यक्ति मुख्यमंत्री थीं। उन्होंने कहा कि कोलकाता पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ही अपराधी को गिरफ्तार कर लिया था, हमने शुरू से ही इस घटना की निंदा की है, लेकिन लोगों के एक वर्ग (विपक्षी नेताओं) ने अपने राजनीतिक और निजी हितों को पूरा करने के लिए गलत सूचना फैलाने और लोगों को गुमराह करने की कोशिश की। घोष ने यह भी दावा किया कि आरजीकर घटना के बाद तीन मामलों में राज्य पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की और अपराधियों को मृत्युदंड दिया गया। हम चाहते हैं कि इस मामले में भी दोषी को मृत्युदंड की सजा मिले।

❑ **अदालत के निर्णय पर माकपा राज्य सचिव के बयान से विवाद**

आरजीकर मामले में अदालत के फैसले पर माकपा की प्रतिक्रिया सबसे अलग है। माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम के बयान ने विवाद को बढ़ा दिया है। उन्होंने अदालत द्वारा आरोपित को दोषी करार दिए जाने के निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैंने बाबरी विध्वंस मामले में अदालत के फैसले के बाद जो कहा था, वही मैं इस मामले में भी कहता हूं। फैसला सुना दिया गया है। कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि आरजी कर मामले की जांच में संस्थागत दुष्कर्म और हत्या को छुपाया गया है। यह संगठित अपराध राज्य प्रशासन के उच्चतम स्तर पर किया गया है तथा उसे छुपाया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक अदालती फैसला है, लेकिन पीड़िता को वास्तविक न्याय नहीं मिला है।

❑ **आरोपी की दोषसिद्धि से संतुष्ट होने का कोई कारण नहीं दिखता : अधीर चौधरी**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को कहा कि आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक आरोपी को दोषी करार दिये जाने से उन्हें संतुष्ट होने का कोई कारण नहीं नजर आता। चौधरी ने कहा कि अदालत के इस निर्णय से संतुष्ट होने का मुझे कोई कारण नजर नहीं आता। हो सकता है कि इस मामले में जांच की गई हो, मुकदमा चला हो और आरोपी को दोषी करार दिया गया हो। लेकिन, जब सबूतों के साथ इतनी छेड़छाड़ हुई है, तो आपको समझना होगा कि इसमें बड़े लोग थे जिन्हें राज्य सरकार के साथ-साथ पुलिस का भी संरक्षण प्राप्त था। वर्ष 1990 में, हेतल पारेख बलात्कार और हत्या मामले का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा कि इस मामले में भी दोषी को मौत की सजा हो सकती है। कोलकाता में पहले भी मौत की सजा देखने को मिली है, जब धनंजय (चटर्जी) को फांसी दी गई थी। लेकिन सब कुछ होने के बाद भी कहूंगा कि मैं संतुष्ट नहीं हूं।

आरजीकर कांड में कोर्ट फैसले का स्वागत, 'वृहद साजिश'की जांच जरूरी : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज़ा : नेता प्रतिपक्ष व भाजपा के वरिष्ठ विधायक शुभेंदु अधिकारी ने आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पिछले साल दुष्कर्म के बाद प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की हत्या के मामले में अदालत द्वारा आरोपित सिविक वॉलंटियर को 'दोषी' करार दिए जाने के फैसले का स्वागत किया। साथ ही, उन्होंने पीड़िता के माता-पिता द्वारा लगाए गए 'वृहद साजिश' के आरोपों की भी जांच करने की मांग की। इस दिन, शुभेंदु अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि हम फैसले का स्वागत करते हैं। लेकिन हमें खुशी होती अगर आरजीकर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को भी आज सजा दी जाती। माता-पिता और कनिष्ठ चिकित्सकों द्वारा लगाए गए बड़ी साजिश के आरोपों की जांच होनी चाहिए। यह भी देखा जाना चाहिए कि अपराध में कोई और भी शामिल था या नहीं।

संजय राय की दोषसिद्धि को किसी अदालत में चुनौती देने की योजना नहीं : अपराधी की बहन

❑ **कहा... 'अगर भाई ने कोई अपराध किया है, तो उसे उचित सजा मिलनी चाहिए'**

❑ **संजय राय की मां ने मीडिया से बात करने से किया इन्कार, कहा... 'मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है'**

कोलकाता, समाज़ा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपित संजय राय को सियालदह कोर्ट द्वारा शनिवार को दोषी ठहराए जाने के चंद मिनटों बाद, उसकी बड़ी बहन ने कहा कि इस आदेश को किसी भी अदालत में चुनौती देने की उसके परिवार की कोई योजना नहीं है। भवानीपुर इलाके में एक झुग्गी बस्ती में रहने वाली अधेड़ महिला ने संवाददाताओं के सवाल पर कहा कि वह सियालदह अदालत नहीं गई थी, जहां उसके भाई को पेश किया गया था और अदालत ने उसे दोषी करार दिया था। जब संवाददाताओं ने उससे पूछा कि क्या उसे लगता है कि उसका भाई वास्तव में दोषी है, तो उसने कहा कि कृपया मुझे अकेला छोड़ दें। हम टूट चुके हैं। राय की बहन ने कहा कि अगर उसने (राय ने) कोई अपराध किया है, तो उसे उचित सजा मिलनी चाहिए। हमारे पास आदेश को चुनौती देने की कोई योजना नहीं है। मैं अपने ससुराल में रह रही हूं। वर्ष 2007 में अपनी शादी के बाद से मेरा अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं है, जबकि मेरी मां की तबीयत ठीक नहीं है। महिला ने अपनी पहचान या नाम उजागर न करते हुए कहा कि उसका भाई बचपन में किसी भी सामान्य लड़के की तरह ही व्यवहार करता था। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे वह बड़ा हुआ, उसने शराब पीना शुरू कर दिया, लेकिन इसके अलावा मैंने खुद कभी भी संजय द्वारा किसी महिला के साथ दुर्व्यवहार किए जाने का कोई मामला नहीं सुना। बेशक, पिछले कुछ सालों में हमारा उससे नियमित संपर्क नहीं था और वह एक अलग इलाके में रहता था, इसलिए मुझे उसके संबंधों के बारे में कोई जानकारी नहीं है और न ही वह यह जानती है कि मेरा भाई किसी आपराधिक मामले में शामिल था या नहीं। संजय राय की मां ने मीडिया से बात करने से इन्कार कर दिया। उसने कहा कि मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। कृपया मुझे अकेला छोड़ दें।

'आपने हमारे विश्वास की लाज रखी', पीड़िता के पिता ने जज से कहा

कोलकाता, समाज़ा : सियालदह अदालत ने आरजीकर अस्पताल में हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में सिविक वॉलंटियर संजय राय को शनिवार को दोषी करार दिया। जैसे ही न्यायाधीश ने अपना फैसला सुनाया, पीड़िता के पिता भावुक हो गए और अदालत में फूट-फूट कर रोने लगे। उन्होंने हाथ जोड़कर न्यायाधीश को धन्यवाद दिया और कहा कि आपने हमारे विश्वास की लाज रखी है। फैसले के बाद, जब न्यायाधीश अनिर्बाण दास अपनी सीट से उठकर जाने वाले थे, तभी पीड़िता के पिता ने रुककर अपनी बात रखने की अनुमति मांगी। न्यायाधीश ने उन्हें बोलने की अनुमति दी। फफक कर रोते हुए उन्होंने कहा कि आपने हमारे विश्वास को सही साबित किया। इस पर, न्यायाधीश ने कहा कि वे सोमवार को उनकी बात सुनेंगे, जब आरोपित की सजा का ऐलान किया जाएगा।

लापता तीन नाबालिग छात्राओं को पुलिस ने किया उद्धार

मानव तस्करी से तार जुड़े होने का पुलिस को संदेह

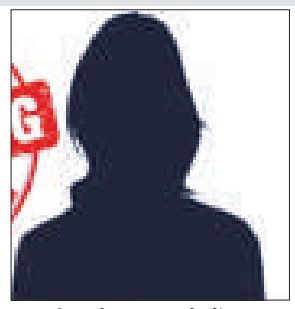

हुगली : तारकेश्वर थाने की पुलिस ने चार स्कूली छात्राओं को चलती ट्रेन से उद्धार किया। यह सभी तारकेश्वर थाना क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। शुक्रवार को यह सभी स्कूल गई थी लेकिन फिर लौटकर वापस नहीं आयी। छात्राओं के स्कूल से लापता होने के बाद परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कुछ ही घंटों में उन्हें बचा लिया। सभी छात्राओं के गोपनीय बयान दर्ज कराने के लिए चंदननगर महकमा अदालत ले जाया गया।

गुरुवार को तारकेश्वर स्थित एक स्कूल की चार छात्राएं स्कूल जाने के बाद घर नहीं लौटीं। परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की। काफी देर तक जब उनका पता नहीं चला तो चिंतित परिजनों ने तारकेश्वर थाने में शिकायत दर्ज कराई। तारकेश्वर थाना की पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए आस पास के सभी थानों को मामले की जानकारी दी।

घटना के कुछ देर बाद पुलिस को एक युवक मिला। नाबालिग छात्राओं से उसका परिचय सोशल मीडिया के माध्यम से हुआ था। उस सूचना के आधार पर पुलिस ने तलाश शुरू की। पुलिस ने बताया कि युवक का घर बर्दवान जिले के कटवा में है। बालागढ़ पुलिस ने फोन नंबर ट्रैक करके बर्दवान के बेहुला स्टेशन से चार नाबालिग लड़कियों को बचाया।

गुरुवार रात करीब साढ़े नौ बजे पुलिस ने बालागढ़ स्टेशन से हावड़ा-कटवा गैलोपिंग लोकल ट्रेन के हर डिब्बे की तलाशी शुरू कर दी। अंततः चारों छात्राएं मिल गई। बालागढ़ थाना की पुलिस ने उन्हें उसी रात तारकेश्वर थाने को सौंप दिया। पुलिस ने इस बात की भी जांच शुरू कर दी है कि चारों नाबालिग ट्रेन से क्यों और कहां जा रही थी या फिर कोई उन्हें फंसाकर तस्करी के लिए दूसरे राज्य तो नहीं ले जा रहा था। फोन कॉल के आधार पर पुलिस को संदेह है कि इस घटना के पीछे मानव तस्करी गिरोह का हाथ हो सकता है। उद्धार की गई सभी नाबालिग को बाल कल्याण समिति के पास भेजा जाएगा।

रसोई घर में बिजली का स्विच ऑन करते ही धमाका, झुलसी महिला

हुगली : चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के तरह चंदननगर के फाटकगोरा इलाके में एक मकान की दूसरी मंजिल पर हुए तेज धमाके से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक तेज धमका हुआ और चीख सुनाई पड़ी। मौके पर पहुंचने पर पता कि महिला सुबह-सुबह रसोई में खाना बनाने गई थी। जैसे ही स्विच ऑन किया वैसे ही एक जोरदार धमाका हुआ। एक 54 वर्षीय महिला बुरी तरह से झुलस गई । महिला का नाम रानू रॉय बताया जा रहा है। उसे गंभीर हालत में चुंचुड़ा सदर इमामबाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर है। ऐसा माना जा रहा है कि यह दुर्घटना गैस रिसाव के कारण हुई। विस्फोट से रसोई घर के दरवाजे और खिड़कियां टूट गई स्विच बोर्ड तारों सहित दीवार से लटका हुआ था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पाण्डेय परिवार की बहु का चयन अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के पद पर हुआ

हावड़ा, समाज़ा : बक्सर जिला अंतर्गत ग्राम सिमरी (राम पट्टी) वर्तमान नंदीबगान, हावड़ा, पश्चिम बंगाल निवासी राजेश पाण्डेय की पत्नी, पुत्र वधू स्व. ब्रजकिशोर पाण्डेय, विजय कुमार पांडेय, विनोद पांडेय एवं संजय पांडेय की पुत्र वधू मनीषा पांडेय का चयन एडीजे में हुआ है। उनके पति ने बताया कि एडीजे की परीक्षा में 11वां रैंक लाकर अपने परिवार सहित समस्त क्षेत्रवासियों को गौरवांवित किया है। मनीषा का चयन अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के पद पर हुआ है। पूरा पांडेय परिवार इस सफलता का श्रेय उनकी लगन व कठिन परिश्रम को दे रहे है।

तारापीठ रोड पर पटरी से उतरी मालगाड़ी, रेलवे ने एक घंटें में सेवाएं की बहाल

कोलकाता : तारापीठ रोड रेलवे स्टेशन के पास शनिवार की सुबह एक मालगाड़ी की बोगी पटरी से उतरने की घटना सामने आई। जिससे बीरभूम के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यह घटना शनिवार की सुबह 9:47 बजे हुई। इस घटना के बाद रेलवे द्वारा तुरंत कार्रवाई शुरू की गई और एक घंटे के अंदर मौजूदा तीन लाइनों में से दो लाइनों में आव-ाजाही सामान्य हो गई। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) **राहुल रंजन** ने बताया कि, रेलवे अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन में से दो लाइनों को साफ किया। सुबह के 10:50 बजे तक दोनों लाइनें पूरी तरह से क्लियर कर दी गईं, जिसके बाद दोनों लाइनों में सामान्य आवागमन को फिर से शुरू कर दिया गया।

इस घटना के कारण ट्रेन संख्या 13017, 63063, 22309, 13175 और 63068 जैसे महत्व-पूर्ण ट्रेनों को नियंत्रण में लिया गया था। इसके बाद, कोयला लदी मालगाड़ी को ट्रैक से हटा दिया गया और शाम 19:35 बजे तक तीनों लाइनों को फिर से सामान्य रूप से चालू कर दिया गया। रेलवे ने अपनी तत्परता और त्वरित कार्रवाई के जरिए यातायात को सुचारु रूप से बहाल किया।

हावड़ा के दासनगर स्थित आरती कॉटन मिल मैदान में शनिवार से दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता 'एमएलए कप' शुरू हुआ। यह 'एमएलए कप' शिवपुर के विधायक व खेल राज्य मंत्री मनोज तिवारी की पहल पर शुरू हुई। इस मौके पर तृणमूल युवा कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद सायोनी घोष, मंत्री अरूप विश्वास समेत अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

शहर में आज

❑ **बाबा रामदेव भक्त मंडल (मगरा क्षेत्र) :** संगीतमय भजन कीर्तन, सांय 4 बजे से, स्थान- श्री कमल किशोर जी, श्री संतोष कुमार जी सेवक, जशोदा भवन (बैंक्वेट हॉल एवं गेस्ट हाऊस), 2, अग्रसेन स्ट्रीट, लिलुआ, हावड़ा।

❑ **श्री सीताराम सत्संग समिति (कोलकाता) :** संगीतमय सामूहिक सुदरकांड पाठ, पाठ क्रमांक संख्या-1922, दोपहर 2 बजे से, स्थान- श्री महेश जी बजाज, ब्रज रेसीडेंसी, एइ-776, सॉल्टलेक सिटी, पानी टंकी नं.-4, एइ पार्क के पास, सॉल्टलेक, कोलकाता।

❑ **श्री करणी इन्द्र भक्त मंडल (श्रीमण्ड खुड़दधाम) :** संगीतमय भजन कीर्तन, सायं 4 बजे से, स्थान- श्री भागीरथ जी मालानी, अवनी ऑक्सफॉर्ड, फेज-1, कम्यूनिटी हॉल-1, ब्लॉक-5, लॉबी-1, फ्लैट-4एफ, लेक टाऊन स्विमिंग पुल के पास, कोलकाता।

❑ **विक्रम धर्म संघ :** संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड पाठ, सुबह 10.30 बजे से, स्थान- श्री दामोदर जी चांदगोठिया, पोद्दार विहार, ब्लॉक-ए02, 3 तल्ला, फ्लैट-52, वी.आई.पी. रोड, हल्दीराम के सामने, कोलकाता।

❑ **श्री राम दरबार युवा मंडल (हिन्दमोटर) :** संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड पाठ, दोपहर 3.05 बजे से, स्थान- श्री अमित जी रखेचा, सत्या रानी अपार्टमेंट, 5 तल्ला, पी-70, विवेकानन्द कॉलोनी, लक्ष्मी टावर एवं डोन बॉस्को स्कूल के पास, लिलुआ, हावड़ा।

❑ **भगवान श्री लक्ष्मी नारायण धाम :** साप्ताहिक बीज मंत्र एवं गणेश स्रोत का पाठ, सुबह 11 बजे से, स्थान- माहेश्वरी भवन सभागार, 4, शोभाराम बैशाख स्ट्रीट, बड़ाबाजार, कोलकाता।

केशो राय पाटन मंदिर.. राजस्थान

हमारी अंजानी धरोहर-60

डॉ. एस. के. सैनी

केशोरायपाटन मंदिर शिक्षा की नगरी कोटा से लगभग 20 किलोमीटर दूर चंबल नदी के किनारे स्थित है। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित हैं। इस मंदिर का निर्माण बूंदी के राव छत्रसाल द्वारा 1641 में करवाया गया था। तब कोटा बूंदी राज्य में ही शामिल था।

केशोरायपाटन नदी किनारे का नगर है। यह बूंदी जिले में स्थित है। यह मंदिर बलुये पत्थरों से बना हुआ है।इन पत्थरों की पट्टीयों को पहले लोग,जब आरसीसी का प्रयोग नहीं होता था तब छत पर डालने के लिए इस्तेमाल करते थे।

नदी के किनारे मंदिर बनाना आसान कार्य नहीं होता है। यह मंदिर एक विस्तृत आधार पर स्थित है। इसका प्रवेश द्वार बहुत ही भव्य है। यह मंदिर चार मंजिला है हर जगह जहां भी स्थान मिला है वास्तुकार ने देवी देवताओं की मूर्तियों को उकेरा है।शिखर पर देवी, देवताओं,यक्षों, परियों, गंधर्वों की मूर्तियों को उकेरा गया है। शिखर एकदम गर्भ गृह के ऊपर स्थित है। इस मंदिर की

वास्तुकला निर्दोष है :

इस मंदिर के गर्भ गृह में भगवान विष्णु की प्रतिमा पद्मासन में विराजमान है। एकदम सौम्य चेहरा जैसे सबको आशीर्वाद दे रहा हो।उनके एक हाथ में शंख है दूसरे हाथ में चक्र है। गले में वैजयंती माला धारण की हुई है। मूर्ति श्वेत संगमरमर की है। अक्सर भगवान विष्णु के साथ लक्ष्मी जी होते हैं

और दोनों खड़ी वाली मुद्रा में होते हैं यह मूर्ति अपने आप में विलक्षण है कि यह पद्मासन में है। और जगत के पालन करता अकेले ध्यान मुद्रा मे हैं।

इस मंदिर के निर्माण के पीछे भी एक दंत कथा है। कहते हैं कि राजा रंतिदेव की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि जहां तुम कहोगे वही मैं स्थिर हो जाऊंगा। लोग कहते हैं कि यह मंदिर राजा रंतिदेव के वंशजों ने बनवाया।मंदिर धीरे-धीरे बनता रहा। अंत में राजा राव छत्रसाल सिंह ने इसको पूर्ण करवाया। ऐसा लगता है की चंबल यहां पर भगवान विष्णु का पद प्रक्षालन कर रही है। मां की सीढ़िया पर बैठकर के चंबल को निहारने से अदभुत अध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है। यह मंदिर है भले ही बूंदी जिले में लेकिन कोटा से यह पास पड़ता है। बूंदी मुख्यालय से यह मंदिर 50 किलोमीटर पड़ता है जबकि कोटा से मात्र 20 किलोमीटर दूर ही है।

सुरीला वृक्ष

डॉ.मंजरी शुक्ला

हरे भरे वृक्षों से लदा सुन्दरपुर वन बहुत खूबसूरत था। चारों तरफ़ रंग बिरंगे फूलों से लदा हुआ जंगल आते - जाते राहगीरों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करता ,पर सबसे अनोखा और अदभूत था... एक विशालकाय पेड़ था .....जो सबको संगीत सुनाता था।

जब भी कलरव करते पक्षी उस पर आकर बैठते या राहगीर उसकी छाया में आराम करने आते तो वह मधुर गीत गाता जिससे सभी अपनी परेशानियां भूल जाते और ख़ुशी से झूम उठते। धीरे -धीरे उस पेड़ की ख्याति दूर दूर तक पहुँचने लगी। लोग उस पेड़ को देखने के लिए दूर दराज़ से आने लगे।

पहले तो पेड़ ये देखकर बहुत खुश होता था पर फिर उसे लगने लगा की मैं तो जंगल में एक ही जगह खड़ा रहता हूँ जिसके कारण जो लोग यहाँ नहीं आ पाते हैं वे मेरा संगीत सुनने से वंचित रह जाते हैं। मुझे कुछ ऐसा करना चाहिए जिससे मैं चल फिर सकू और सबके पास पहुँचकर उन्हें गाना सुनाऊ। बस फिर क्या था पेड़ ने तुरंत अपनी इच्छा वनदेवी को बताई। वनदेवी उसकी बात सुनकर आश्चर्यचकित रह गई। उन्होंने कहा -पर इससे तो तुम अपनी अहमियत खो दोगे। जब तुम्हे इतना प्यार और सम्मान यहाँ मिल रहा हैं तो यहाँ से जाने को क्या जरूरत हैं।

पर वह लगातार गिड़गिड़ाता हुआ वनदेवी से प्रार्थना करने लगा। वनदेवी बोली हमें कभी भी अपने संगी साथिओं को दुखी करके अनजाने लोगों के पीछे नहीं जाना चाहिए।

पर पेड़ कहा मानने वाला था। वह विनती भरे स्वर में बोला -आपको मेरी यह इच्छा पूरी करनी ही होगी क्योंकि आज तक मैंने आपसे कुछ नहीं माँगा हैं।

वनदेवी उसे आखरी बार समझाते हुए बोली-पर जो लोग यहाँ तुम्हें सुनने आते हैं उनका क्या होगा।

पेड़ बोला -जब मैं ही घूम- घूम कर सबके यहाँ अपना मधुर संगीत सुनाने जाऊँगा तो किसी को यहाँ आने की परेशानी ही नहीं होगी। ....

वह लगातार वनदेवी से विनती करने लगा। हारकर वनदेवी ने उसकी बात मान ली और उसे चलने की शक्ति दे दी। पेड़ बच्चो की तरह खुश हो गया और जंगल से बाहर जाने लगा।

सभी पक्षी उसे जाता देखकर घबरा गए और तेजी से उसके पास उड़ते हुए आकर बड़े ही प्यार से बोले - हम सब तुम्हारे मधुर संगीत को सुने बिना एक दिन भी नहीं रह सकते। कृपया हमें छोड़कर मत जाओ।

ये सुनकर पेड़ इठलाता हुआ बोला - तुम लोगों ने मेरा गाना बहुत सुन लिया हैं। अब मैं जंगल के बाहर जाऊँगा, जहा पर सब लोग मेरे मधुर संगीत को सुनकर मुझे तुमसे भी ज्यादा प्यार करेंगे

और यह कहकर पेड़ इतराता हुआ एक गाँव की ओर चल पड़ा। गाँव के अन्दर जाते ही उसे एक स्कूल दिखा जहाँ पर बच्चे पढाई कर रहे थे। वहाँ जाकर जैसे ही उसने मधुर धुन बजानी शुरू की तो वहाँ का अध्यापक गुस्से में लगभग दौड़ता हुआ बाहर आया और बोला -

चिल्लाते हुए बोला - भागो यहाँ से...यहाँ पहले ही बच्चों ने मेरी नाक में दम कर रखा हैं और ऊपर से तुम परेशान करने आ गए।

पेड़ यह सुनकर आश्चर्यचकित रह गया। आज तक किसी ने भी उसे गाना गाने पर इस तरह अपमानित नहीं किया था वह दुखी होकर चुपचाप आगे बढ़ चला।

आगे जाने पर उसे एक हस्पताल दिखा जहा पर मरीजों की लम्बी कतार लगी थी। पेड़ ने सोचा कि मैं इन मरीजों के पास जाकर मधुर संगीत सुनाता हूँ जिससे ये अपना दुःख भूल जायेंगे और खुश हो जायेंगे। यह सोचकर उसने जैसे ही संगीत की धुन बजानी आरम्भ की ....डाक्टर अन्दर से आग बबूला होता हुआ बाहर आया और चीखा - क्यों तंग कर रहे हो यहाँ हम लोगो को। देख रहे हो यहाँ मरीजों का इलाज किया जा रहा हैं और तुम उन्हें परेशान करने के लिए आ गए।

दुःख के मारे पेड़ की आँखों में आँसू आ गए और वह चुपचाप आगे बढ़ चला। तभी उसे एक जगह मंदिर दिखाई पड़ा जिसके आगे बहुत से भिखारी गा बजाकर भीख माँग रहे थे खपेड़ ने सोचा यहाँ पर मुझे कोई गाने के लिए मना नहीं करेगा और वह खुश होकर उस ओर चल पड़ा। वहाँ पहुंचकर उसने जैसी ही बड़े ही मीठे स्वर में गीत गाना शुरू किया,तो सारे भिखारी जो गा -बजा रहे थे ,उसके पास आ गए और उसे पत्थरों से मारकर भगाने लगे खपेड़ बेचारा रोते हुए कहने लगा- मैंने तुम लोगो का क्या बिगाड़ा हैं। क्यों मार रहे हो मुझे।

तुम अगर यहाँ इतनी सुरीला गाओगे तो हमें कौन पैसे देगा। और तुम अपना जंगल छोड़कर हम लोगो के बीच में यहाँ क्या कर रहे हो। भागो यहाँ से।

बेचारा पेड़ फूट फूटकर रोने लगा और अपने उन संगी साथियों को याद करने लगा जो उसे कितना प्यार करते थे। पेड़ वापस अपने जंगल की ओर चल पड़ा। अब वो ये जान गया था कि वनदेवी सही कह रही थी ....सच्चा सुख अपने लोगो के बीच में रहने से ही होता हैं यहाँ वहाँ भटकने से कभी भी हमें मान सम्मान नहीं मिलता हैं और किसी के यहाँ भी बिना बुलाये जाकर हम अपनी अहमियत खो देते हैं।

विषय: महान साहित्य, महान लेखक और महान पाठक - एक दार्शनिक दृष्टिकोण

त्रिलोक नाथ पांडेय

प्रस्तावना

साहित्य समाज का दर्पण होता है। यह न केवल मानव जीवन के अनुभवों को परिलक्षित करता है, बल्कि समाज को दिशा देने का कार्य भी करता है। जब हम 'महान साहित्य' और 'महान लेखक' की बात करते हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि 'महान पाठक' का क्या स्थान है? क्या केवल लेखक और साहित्य ही महान हो सकते हैं, या पाठकों का भी इसमें कोई दायित्व और योगदान है? सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की यह उक्ति हमें इस गहन प्रश्न पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है।

महान साहित्य और समाज का संबंध

महान साहित्य वह होता है जो मानव मन और समाज के भीतर छिपे सत्य को उजागर करता है। यह समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और वैचारिक स्तर को ऊँचा उठाने का कार्य करता है। तुलसीदास का रामचरितमानस, प्रेमचंद की कहानियाँ, और शेक्सपियर के नाटक केवल साहित्य नहीं हैं, बल्कि ये समाज को समझने और बदलने के साधन भी हैं।

लेकिन यह भी सच है कि साहित्य का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब समाज उसे स्वीकार करता है और उससे प्रेरणा लेता है। यदि समाज का स्तर ऐसा नहीं है कि वह महान साहित्य को समझ सके, तो वह साहित्य केवल पुस्तकों में बंद होकर रह जाएगा।

लेखक का दायित्व और समाज की भूमिका

महान साहित्य रचने के लिए लेखक का दृष्टिकोण गहन और व्यापक होना चाहिए। लेकिन लेखक को समाज से प्रेरणा भी मिलती है। जब समाज लेखक से 'महान साहित्य' की माँग करता है, तो यह लेखक का अधिकार बनता है कि वह समाज से यह पूछे, क्या तुम महान समाज हो?

महान लेखक समाज को दिशा देता है, लेकिन समाज का दायित्व है कि वह लेखक और उसके साहित्य को सही तरीके से समझे। यदि समाज नैतिक रूप से पतित है, तो लेखक से महान साहित्य की अपेक्षा करना एकतरफा माँग हो सकती है।

महान पाठक की अवधारणा

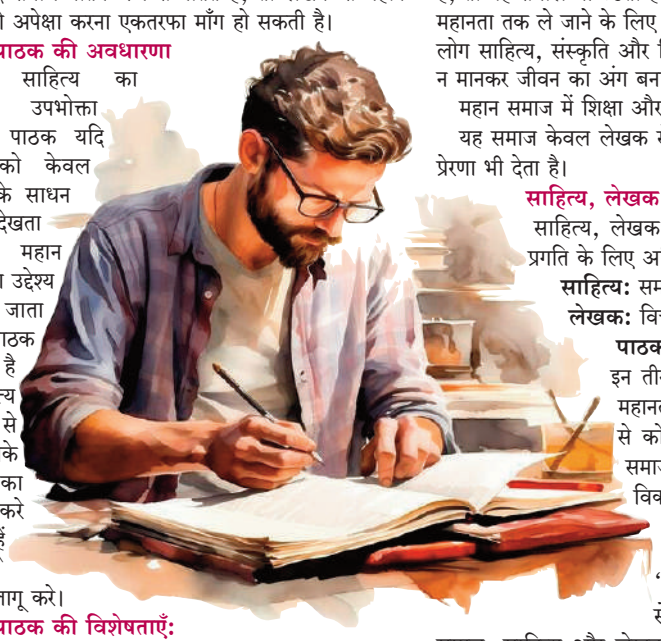

पाठक साहित्य का वास्तविक उपभोक्ता होता है। पाठक यदि साहित्य को केवल मनोरंजन के साधन के रूप में देखता है, तो महान साहित्य का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। महान पाठक वह होता है जो साहित्य को गहराई से समझे, उसके विचारों का विश्लेषण करे और उन्हें अपने जीवन में लागू करे।

महान पाठक की विशेषताएँ:

साहित्य को गहराई से समझने की क्षमता।
विचारशील और आलोचनात्मक दृष्टिकोण।
नए विचारों के प्रति ग्रहणशीलता।
समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की इच्छा।

पाठक और समाज के बीच संबंध:

समाज में पाठक की भूमिका केवल साहित्य को पढ़ने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। एक जागरूक पाठक अपने समाज में परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। उदाहरण के लिए, भगत सिंह और महात्मा गांधी जैसे नेताओं ने साहित्य

को केवल पढ़ा नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारकर समाज में क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया।

'महान समाज' की आवश्यकता

जब लेखक समाज से 'महान पाठक' बनने की अपेक्षा करता है, तो यह सवाल भी उठता है कि क्या समाज अपने स्तर को उस महानता तक ले जाने के लिए तैयार है? महान समाज वह है जहाँ लोग साहित्य, संस्कृति और विचारों को केवल प्रशंसा की वस्तु न मानकर जीवन का अंग बनाते हैं।

महान समाज में शिक्षा और विचारशीलता का महत्व होता है।

यह समाज केवल लेखक से अपेक्षाएँ नहीं करता, बल्कि उसे प्रेरणा भी देता है।

साहित्य, लेखक और पाठक के बीच संतुलन

साहित्य, लेखक और पाठक तीनों ही समाज की प्रगति के लिए अनिवार्य हैं।

साहित्य: समाज के लिए एक मार्गदर्शक।
लेखक: विचारों का सर्जक।
पाठक: विचारों का संवाहक।

इन तीनों के बीच संतुलन ही समाज को महानता की ओर ले जाता है। यदि इनमें से कोई भी कड़ी कमजोर होती है, तो समाज अपने सांस्कृतिक और वैचारिक विकास में पिछड़ सकता है।

निष्कर्ष

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की यह उक्ति हमें गहराई से सोचने पर मजबूर करती है कि समाज, साहित्य और लेखक के बीच क्या संबंध है। 'महान पाठक' की अवधारणा समाज के विकास के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी 'महान लेखक' और 'महान साहित्य' की। केवल लेखक या साहित्य की महानता पर ध्यान केंद्रित करना पर्याप्त नहीं है; पाठकों और समाज को भी अपनी भूमिका समझनी होगी।

एक समाज तभी महान कहलाने का अधिकारी होता है जब वह साहित्य और संस्कृति को न केवल स्वीकार करे, बल्कि उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाए। महान साहित्य का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब पाठक उसे समझे, आत्मसात करे और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बने। इस प्रकार, 'महान समाज' का निर्माण केवल लेखक की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पाठक और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

खुशहाल जीवन के लिए अपनाएं ये आदतें

लोग समझदार होते ही एक अच्छे जीवन के लिए प्रयास करना शुरू कर देते हैं। मन लगाकर पढ़ाई करते हैं ताकि अच्छी नौकरी मिल सके और भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सके। लोगों को लगता है कि इस तरह से उनका जीवन खुशहाल बनेगा और परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। हालांकि घर से लेकर दफ्तर तक में लोगों के ऊपर कई तरह की जिम्मेदारियां होती हैं, जो उन्हें चिंता व तनाव से ग्रस्त कर देती हैं। परिवार में जीवनसाथी, बच्चे और माता-पिता की इच्छाओं को समझना, उनका ख्याल रखने में वह अपनी खुशियां भूल जाते हैं।

दूसरों की खुशी के साथ खुद को संतुष्ट करना भी जरूरी है। ऐसे में खुशहाल जीवन और परिवार व दफ्तर में सुख शांति बनाए रखने के लिए खुद में कुछ अच्छी आदतों को शामिल करें। यह अच्छी आदतें आपको और आपके आसपास के माहौल को अच्छा बना देंगी।

सकारात्मक सोच

घर-परिवार में खुशहाली हो या नौकरी में तरक्की चाहिए हो, सबसे जरूरी है आपकी सोच सकारात्मक हो। ऐसा विचार करें कि आप बेहतर कर रहे हैं और इससे भी बेहतर कर सकते हैं। सकारात्मक विचार सफलता के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सकारात्मता से संतुष्टि होती है और संतुष्टि खुशहाल जीवन पाने का एक तरीका भी है।

सेहत पर ध्यान

पारिवारिक जीवन और करियर दोनों में सफलता तब मिलेगी जब आप उसे हासिल करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम होंगे। ऐसे में सेहत पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। स्वस्थ शरीर और मन होने से आप काम पर भी फोकस कर पाएंगे और निजी जीवन में भी सुकून से रह पाएंगे। खुशहाली के लिए अपनी और परिवार की सेहत का ध्यान रखें।

रिश्तों का महत्व

किसी भी व्यक्ति के जीवन में खुशहाली सिर्फ करियर में तरक्की या अधिक पैसे कमाने से नहीं आती। खुशहाली के लिए जरूरी है अपनों का साथ। इसलिए जीवन में कितना भी व्यस्त हो लेकिन अपने रिश्तों को समय और महत्व देना न भूलें। माता पिता हो या जीवनसाथी, दोस्त हों या सहकर्मी, सभी के साथ एक अच्छा और सौहार्दपूर्ण रिश्ता बनाकर रखें। समय समय पर उनसे बात करें और वक्त बिताएं।

गलतियों व असफलताओं को अपनाएं

गलतियों से सीखें। अगर आप कभी जीवन में असफल हो जाएं या कोई गलती कर बैठें तो निराश न हों या फिर उनकी गलतियों को झुकलाने की कोशिश न करें। बल्कि विफलताओं और गलतियों को याद रखें और उनसे बेहतर बनने के लिए सीख लें।

हेयर स्ट्रेटनिंग और स्मूथनिंग में क्या अंतर है? कराने से पहले जान लें

लगातार बढ़ते प्रदूषण का असर अब लोगों के बालों पर दिखने लगा है। इसकी वजह से बाल काफी बेजान और डल दिखने लगते हैं। वैसे तो बाल प्राकृतिक ही अच्छे लगते हैं, लेकिन आजकल इन्हें और भी ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए काफी सारे हेयर ट्रीटमेंट आते हैं। यदि ये ट्रीटमेंट करा लिए जाएं तो बालों की चमक कई गुना बढ़ जाती है।

आजकल के ट्रेंड की बात की जाए तो आजकल हेयर स्ट्रेटनिंग और स्मूथनिंग का काफी चलन है। बहुत सी महिलाएं सैलून स्टाफ के भरोसे ट्रीटमेंट ले लेती हैं। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। हेयर स्ट्रेटनिंग और स्मूथनिंग कराने से पहले आपको खुद इस बारे में पता होना चाहिए।

यदि आप भी उन महिलाओं में से हैं, जिन्हें हेयर स्ट्रेटनिंग और स्मूथनिंग में फर्क नहीं पता तो ये लेख आपके लिए है। यहां हम आपको हेयर स्ट्रेटनिंग और स्मूथनिंग में अंतर बताने जा रहे हैं।

पहले जानें हेयर स्ट्रेटनिंग के बारे में

हेयर स्ट्रेटनिंग एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें बालों को पूरी तरह सीधा किया जाता है। हेयर स्ट्रेटनिंग में केमिकल और हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें बालों की नैचुरल वेव्स या कर्ल्स को हटाकर उन्हें पूरी तरह से स्ट्रेट कर दिया जाता है। हेयर स्ट्रेटनिंग के बाद बाल एकदम सीधे और चमकदार दिखते हैं।

स्ट्रेटनिंग के बाद बालों का लुक आर्टिफिशियल दिख सकता है। यह प्रक्रिया सामान्यतः 6-12 महीने तक टिकती है, जब तक बाल वापस से नेचुरल ग्रोथ नहीं कर लेते। यह जिद्दी कर्ल्स और फ्रिजी बालों को पूरी तरह से सीधा करता है, जिसके बाद बालों को मैनेज करना आसान हो जाता है।

इसके साथ ही आपको बता दें कि स्ट्रेटनिंग के लिए इस्तेमाल किए गए केमिकल बालों को डैमेज कर सकते हैं। हेयर स्ट्रेटनिंग की वजह से बालों का टेक्सचर कठोर और कमजोर हो सकता है। यह प्रक्रिया बालों की प्राकृतिक नमी छीन सकती है। जिनके बाल बहुत ज्यादा कर्ली या फ्रिजी होते हैं और वे एकदम स्ट्रेट लुक चाहते हैं।

अब हेयर स्मूथनिंग के बारे में जानें

हेयर स्मूथनिंग एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें बालों को नरम, चमकदार और मैनेजेबल बनाया जाता है, लेकिन यह बालों की प्राकृतिक लहरों या कर्ल्स को पूरी तरह से नहीं हटाता। इसमें केरेटिन ट्रीटमेंट का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें बालों की बाहरी सतह पर एक प्रोटीन कोटिंग दी जाती है।

इस प्रक्रिया में बालों को हल्की हीट और केमिकल्स के जरिए सॉफ्ट और फ्रिज-फ्री बनाया जाता है। इसके बाद बाल स्वाभाविक रूप से सिल्की लगते हैं। यह बालों का प्राकृतिक लुक बनाए रखता है। स्मूथनिंग का असर आमतौर पर 3-6 महीने तक रहता है। हेयर स्मूथनिंग के बाद से फ्रिजीनेस कम हो जाती है। इससे बालों की संरचना पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ता।

हेयर स्मूथनिंग की ये कमी है कि ये प्रक्रिया लंबे समय तक टिकाऊ नहीं होती। अगर केमिकल्स ठीक से नहीं लगाए गए, तो बाल डैमेज हो सकते हैं। इस प्रक्रिया के बाद बालों की नियमित देखभाल की जरूरत होती है। जिनके बाल हल्के फ्रिज़ी, रूखे या वेवी हैं और जो नेचुरल लेकिन स्मूद लुक चाहते हैं, उनके लिए हेयर स्मूथनिंग परफेक्ट है।

दोनों में क्या है सही ?

अगर आप एकदम स्ट्रेट बाल चाहती हैं, तो स्ट्रेटनिंग सही विकल्प है। अगर आप नेचुरल और फ्रिज-फ्री बाल चाहते हैं, तो स्मूथनिंग का चयन करें। अब अपनी बालों की स्थिति और जरूरत के अनुसार फैसला लें।

सेब खाने के साथ इसकी चाय पीना भी सेहत के लिए बहुत लाभकारी

अच्छी सेहत चाहते हैं तो खान-पान में सुधार करना सबसे जरूरी हो जाता है। आहार में मौसमी सब्जियों और फलों को जरूर शामिल करें। फलों में आपकी अच्छी सेहत के लिए आवश्यक लगभग सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो आपको क्रोनिक बीमारियों से बचाने में मददगार हो सकते हैं।

सेब खाने को अध्ययनों में कई प्रकार से सेहत के लिए लाभकारी पाया गया है। इसको लेकर एक कहावत भी रही है- 'एन एप्पल ए डे, कीप्स डॉक्टर अवे'। यानी अगर आप रोजाना सेब खाते हैं तो ये आपकी बीमारियों से मुक्त रखता है।

क्या आप जानते हैं कि सेब का फल या इसके जूस के साथ आप सेब की चाय भी पी सकते हैं, जिससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

सेब की चाय को लेकर रही है काफी चर्चा

सेब की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी, टी बैग, लौंग, हरी इलायची और दालचीनी डालकर उबाल लें। फिर इसमें सेब को काटकर डालें और उबालें। आप इसमें स्वादानुसार नींबू का रस और शहद भी मिला सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस चाय का सेवन करना वेट लॉस से लेकर आपको कई प्रकार की बीमारियों से सुरक्षित रखने में भी सहायक हो सकता है।

क्या कहती हैं आहार विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ नेहा पठानिया भारद्वाज बताती हैं, सेब की चाय विटामिन, एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है। इसके साथ ही इसमें मैग्नीशियम, पोटैशियम, विटामिन-सी और सोडियम भी होता है। इससे वजन घटाने के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। चाय में मौजूद दालचीनी शरीर को डिटॉक्स करने और सूजन कम करने में मदद करती है। यदि आपको सेब से एलर्जी है तो इस चाय के सेवन से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

बहुत फायदेमंद मानी जाती है ये चाय

सेब की चाय में कैलोरी और वसा बहुत कम होती है, जो वजन को नियंत्रित रखती है। इस चाय में मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मददगार हो सकते हैं, जिससे दिल सेहतमंद रहता है। यह चाय पाचन तंत्र को भी दुरुस्त करती है। इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर पाचन स्वास्थ्य को बूस्ट करता है। रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करके मेटाबॉलिक बैलेंस को सुधारने के लिए भी इसका सेवन किया जा सकता है।

ब्लड प्रेशर रोगियों के लिए ये बहुत फायदेमंद

डायबिटीज के साथ हाई ब्लड प्रेशर भी मौजादा समय के लिए बड़ा खतरा रहा है। सेब का सेवन या इसकी चाय पीना इसमें आपके लिए लाभकारी है। ऑस्ट्रेलियाई अध्ययनों में पाया गया कि सेब खाने से रक्तचाप कम करने में मदद मिल सकती है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहने से स्ट्रोक और दिल का दौरा पड़ने का खतरा कम हो सकता है। मतलब सेब का सेवन करके आप डायबिटीज और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल कर सकते हैं।

रेसिपी कार्नर: दही के शोले

दिल्ली के मशहूर और लजीज दही के शोले का स्वाद अगर अपने शहर में भी तलाश रहे हैं तो घर पर ही आपकी खोज पूरी हो सकती है। आप घर पर ही आसानी से दही के शोले बना सकते हैं, जिसका स्वाद बाजार जैसा ही होगा। दही के शोले एक स्वादिष्ट और अनोखा भारतीय स्नैक है, जिसे आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। यह कुरकुरी ब्रेड के अंदर मसालेदार दही की स्टफिंग के साथ तैयार किया जाता है। आइए जानते हैं दही के शोले बनाने के लिए किन चीजों की जरूरत होती है और इसे बनाने की आसान विधि भी नोट कर लीजिए।

दही के शोले बनाने के लिए सामग्री

ब्रेड स्लाइस 8-10
दही (गाढ़ा)- 1 कप
बारीक कटा हुआ प्याज- 2 बड़े चम्मच
बारीक कटी शिमला मिर्च- 2 बड़े चम्मच
बारीक कटी गाजर- 2 बड़े चम्मच
बारीक कटी हरी मिर्च- 1-2 (स्वादानुसार)
हरी धनिया - 2 बड़े चम्मच
चाट मसाला - 1 चम्मच
काली मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच
नमक- स्वादानुसार
कॉर्न फ्लोर या मैदा- 2 बड़े चम्मच (पेस्ट बनाने के लिए)
तलने के लिए तेल

दही के शोले बनाने की विधि

स्टेप 1- सबसे पहले दही की स्टफिंग तैयार करें। इसके लिए गाढ़े दही को एक-दो घंटे के लिए मलमल के कपड़े में लटका दें, ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए।

स्टेप 2- बाद में छाने हुए दही में बारीक कटा प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, हरी मिर्च और धनिया डालें।

स्टेप 3- इसमें चाट मसाला, काली मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करें।

स्टेप 4- अब ब्रेड के किनारे को काटकर हटा दें और बेलन से ब्रेड को हल्का बेल कर पतला कर लें।

स्टेप 5- ब्रेड के बीच में 1-2 चम्मच दही की स्टफिंग को रखें और ब्रेड के किनारे पर कॉर्न फ्लोर या मैदे का पतला पेस्ट लगाएं।

स्टेप 6-फिर ब्रेड को धीरे-धीरे मोड़कर रोल का आकार दें और किनारे अच्छे से चिपका दें। इसी तरह सभी ब्रेड रोल को तैयार कर लें।

स्टेप 7- कढ़ाई में तेल गरम करके ब्रेड रोल्स को सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। डीप फ्राई किए शोले को टिशू पेपर पर निकालें, ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।

दही के शोले तैयार हैं, इन्हें हरी चटनी, इमली की चटनी या टोमेटो केचप के साथ गरमा गरम परोसें।

न्यूज इन ब्रीफ

मध्यप्रदेश के विदिशा में 50 रुपए को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने की अपने दोस्त की हत्या

विदिशा : मध्यप्रदेश के विदिशा में एक व्यक्ति ने 50 रुपये के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में अपने दोस्त की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) मनोज मिश्रा ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर गंजबासौदा शहर के काला पत्थर इलाके में हुई। एसडीओपी ने बताया, रामस्वरूप अहिरवार और दिनेश अहिरवार के बीच 50 रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। रामस्वरूप ने दिनेश को सुनसान जगह पर ले जाकर पत्थरों से उसकी हत्या कर दी और फिर कपड़े से उसका गला घोंट दिया।

भारतीय नौसेना आठ देशों की नौसेनाओं के साथ एक बड़ा नौसैन्य अभ्यास कर रही

नयी दिल्ली : भारतीय नौसेना उथल-पुथल वाले भू-राजनीतिक माहौल और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के अपना प्रभाव बढ़ाने की पृष्ठभूमि में, अमेरिका और फ्रांस सहित आठ देशों की नौसेनाओं के साथ एक बड़े युद्धाभ्यास में भाग ले रही है। नौसैन्य अभ्यास 'ला पेरोस' हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच स्थित जलडमरूमध्यों के साथ-साथ मलक्का, सुंडा और लोम्बोक में जारी है। इन जलडमरूमध्य को वैश्विक समुद्री व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सोलह जनवरी से शुरू हुए नौ दिवसीय अभ्यास का उद्देश्य समुद्री निगरानी, हवाई अभियानों और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में भाग लेने वाले देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक पोत 'चार्ल्स डे गाउले' के नेतृत्व में फ्रांसीसी नौसेना का एक बेड़ा अभ्यास का मुख्य हिस्सा है। भारतीय नौसेना के अनुसार, भारत का स्वदेश विकसित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मुंबई भी अभ्यास का हिस्सा है। भारत, अमेरिका और फ्रांस के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, कनाडा और ब्रिटेन की नौसेनाएं भी इस अभ्यास में भाग ले रही हैं।

छत्तीसगढ़ पत्रकार हत्याकांड : पीडब्ल्यूडी के दो अधिकारी भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित

रायपुर : छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के दो अधिकारियों को बीजापुर जिले में सड़क निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामले में निलंबित कर दिया गया है। इन कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच पत्रकार मुकेश चंद्राकर द्वारा पूरे मामले को अपनी खबर के जरिये उजागर किए जाने के बाद शुरू हुई। मुकेश चंद्राकर की इस महीने की शुरुआत में हत्या कर दी गई थी। इस परियोजना के ठेकेदार सुरेश चंद्राकर और उनके तीन सहयोगियों को पत्रकार की कथित हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। राज्य का पीडब्ल्यूडी विभाग संभाल रहे उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा जारी बयान में कहा गया है, ''बीजापुर जिले में 52.40 किलोमीटर लंबे नेलसनार-कोडोली-मिरतुर-गंगालूर सड़क के निर्माण की जांच में कार्य के निष्पादन में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण सरकारी धन की बर्बादी, गबन, दोषपूर्ण मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने और ठेकेदार/निर्माण एजेंसी के साथ साठगांठ में भ्रष्टाचार के प्रथम दृष्टया सबूत मिले हैं।''

दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों में 'ऑफलाइन' कक्षाएं फिर से शुरू करने का आदेश दिया

नयी दिल्ली : दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण रोधी उपाय हटाए जाने के बाद सभी स्कूलों को एक नोटिस जारी कर ऑफलाइन कक्षाएं फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है। शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने 17 जनवरी को एक नोटिस में कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के चरण तीन के तहत उपायों को तत्काल प्रभाव से उठाने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि इसके परिणामस्वरूप निजी और सरकारी दोनों स्कूलों में सभी कक्षाएं तत्काल प्रभाव से ऑफलाइन मोड में संचालित की जाएंगी।

एक साथ चुनाव संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं : कानून मंत्री मेघवाल

नयी दिल्ली : कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं है और ऐसा करने से शासन बेहतर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' का विरोध करने वाले लोग राजनीतिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं। मेघवाल ने 'पीटीआई-वीडियो' को दिये साक्षात्कार में कहा कि 1952 से लोकसभा और विधानसभाओं के कुछ चुनाव एक साथ हुए थे। उन्होंने कहा कि अगर वह संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं था, तो अब यह (संघवाद के लिए) कैसे सही नहीं रहेगा। मेघवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव संबंधी विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चाहते हैं कि सदन की एक समिति मसौदा कानूनों की पड़ताल करे। संयुक्त समिति की पहली बैठक में विधायी विभाग के सचिव राजीव मणि ने सदस्यों को एक साथ चुनाव के विभिन्न पहलुओं और इन चुनावों के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। कानून मंत्री ने कहा, ''अब सबसे बड़ा आरोप जो वे (एक देश, एक चुनाव का विरोध करने वाले) लगा रहे हैं, वह यह है कि ऐसा करना संघीय ढांचे के खिलाफ होगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि 1952 में चुनाव हुए थे, सभी विधानसभाओं के चुनाव भी एक साथ हुए थे।'' उन्होंने कहा, ''1957 में चुनाव हुए थे, 1962 में चुनाव भी एक साथ हुए थे। 1967 के चुनाव भी एक साथ हुए थे...अब यह (संघीय ढांचे के लिए) नुकसानदेह कैसे होगा?'' मेघवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव होने से सुशासन और तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता के कारण समय-समय पर जो कठिनाइयां आती हैं, उनका समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में विपक्षी सदस्यों को एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, ''लोकसभा के गठन की तिथि के बारे में भी उन्हें बताया गया है, वे सब कुछ समझ गए हैं।'' कानून मंत्री ने दावा किया, ''...अगर कोई इसका विरोध कर रहा है, तो वे राजनीतिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं।''

ओडिशा: सिंगापुर के राष्ट्रपति पुरी के 'शिल्पग्राम' और कोणार्क मंदिर पहुंचे

भुवनेश्वर : सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम ने शनिवार को ओडिशा के पुरी जिले में 'शिल्पग्राम' के रूप में मशहूर रघुराजपुर और कोणार्क के सूर्य मंदिर का दौरा किया। षणमुगरत्नम अपनी पत्नी के साथ रघुराजपुर गांव में एक घंटे से अधिक समय तक रहे और दो पट्टचित्र पेंटिंग खरीदीं, जिनमें से एक रामायण और दूसरी भगवान गणेश पर आधारित थी। उन्होंने शिल्पकारों से बातचीत की, पेंटिंग देखीं और अनूठी पट्टचित्र कला बनाने की बारीकियां जानीं। रघुराजपुर शिल्पकार समिति के सदस्य एवं शिल्पकार प्रशांत कुमार ने कहा, ''सिंगापुर के राष्ट्रपति ने पट्टचित्र कला के इतिहास और उत्पत्ति के बारे में जाना और यह भी जाना कि हम इस तरह की कलाकृति कैसे बनाते हैं।'' रघुराजपुर गांव के कलाकार आयुष महापात्रा ने पुरी जगन्नाथ मंदिर की पृष्ठभूमि में षणमुगरत्नम और उनकी पत्नी की एक पेंटिंग भेंट की। महापात्रा ने कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि राष्ट्रपति ने मुझसे पेंटिंग ली।'' ओडिशा के पुरी जिले में रघुराजपुर अपने पट्टचित्र, ताड़ के पत्तों पर नक्काशी और अन्य प्रकार के पारंपरिक शिल्प के लिए दुनियाभर में जाना जाता है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में पुलिस ने चार आतंकियों की तस्वीरें जारी की, इनाम की घोषणा

जम्मू : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को किश्तवाड़ जिले में चार सक्रिय आतंकवादियों की तस्वीरें जारी कीं और उनके बारे में विश्वसनीय जानकारी देने वाले व्यक्ति को प्रत्येक आतंकवादी के लिए पांच लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। सैफुल्ला, फरमान, आदिल और बाशा बताए जा रहे एक अन्य आतंकवादी की तस्वीरें उर्दू और अंग्रेजी, दोनों भाषा के पोस्टर के माध्यम से सार्वजनिक की गईं। पोस्टर में लिखा गया है, ''आम जनता से अनुरोध है कि वे तस्वीरों में दिखाए गए व्यक्तियों के बारे में कोई भी जानकारी साझा करें, जिनकी पहचान चार आतंकवादियों के रूप में की गई है। उनके बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करने वाले व्यक्ति को प्रत्येक आतंकवादी के लिए पांच लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा।'' सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। किश्तवाड़ और अन्य जिले पिछले साल आतंकवादी हमलों से दहल गए थे क्योंकि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी आकाओं ने जम्मू क्षेत्र के शांतिपूर्ण क्षेत्रों में आतंकवाद फैलाने के अपने प्रयास जारी रखे थे।

अगर 'आप' सत्ता में लौटी तो किराएदारों को भी मुफ्त बिजली, पानी की योजना का लाभ मिलेगा: केजरीवाल

नयी दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को घोषणा की कि अगर उनकी पार्टी फिर से सत्ता में आई तो किराएदारों को भी मुफ्त बिजली और पानी की योजना का लाभ देने के लिए निर्णायक कदम उठाएगी। राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने दिल्ली के किराएदारों द्वारा उठाई गईं चिंताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''मैं जहां भी जाता हूं, मुझे किराए पर रहने वाले लोग मिलते हैं और वे कहते हैं कि उन्हें अच्छे स्कूल और अस्पताल की सुविधा तो मिली हैं, लेकिन वे मुफ्त बिजली और पानी की योजनाओं से वंचित हैं।'' इस मुद्दे के समाधान का आश्वासन देते हुए केजरीवाल ने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव के बाद किराएदारों को भी जिनमें कई पूर्वांचल के हैं को भी मुफ्त बिजली और पानी का लाभ मिले।'' उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के प्रत्येक किरायेदार के लिए उनकी गारंटी है कि यह लाभ किराए के घरों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक योजना लागू की जाएगी। आप सुप्रीमो की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दावा किया कि अपने खिसकते जनाधार को बचाने और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए केजरीवाल अपने पुराने, अधूरे वादों को दोहरा रहे हैं। यादव ने सवाल किया, ''किराएदारों को मुफ्त बिजली और पानी देने का यह नवीनतम झूठ एक पुराना हथकंडा है, जो उन्होंने 2015 और 2019 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले किया था।

न्यूज अपडेट

हिन्दी विभाग द्वारा राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन हुआ

गुजरात : स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, साहित्य भारती, गुजरात और सर्वोदय एजुकेशन ट्रस्ट, गोधरा तथा साहित्य वीथिका पत्रिका की ओर से राष्ट्रीय कवि गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपतिश्री प्रो. निरंजनभाई पटेल जी के सानिध्य एवं हिन्दी विभाग के अध्यक्ष एवं सर्वोदय एजुकेशन ट्रस्ट के प्रमुख तथा साहित्य वीथिका पत्रिका के प्रधान संपादक प्रो. दिलीप मेहरा जी के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। इस समारोह में गुजरात और गुजरात के बाहर के कवियों में ..गुजरात के प्रसिद्ध गजलकार डॉ.सतीन देसाई 'परवेज दीप्तिगुरु', उर्दू गजलकार शब्बीर हाशमी (अहमदाबाद), डॉ. ऋषिपाल धीमान (अहमदाबाद) दिनेश सिंदल (राजस्थान) डॉ. अनु मेहता (आणंद) प्रभु दयाल व्यास (राजस्थान) पूनम व्यास (आणंद) विकास मिश्रा, डॉ. पंकज लोचन (वल्लभ विद्यानगर) और कुलदीप आशकिरण ने अपनी कविता पाठ किया। साथ ही श्री सर्वोदय एजुकेशन ट्रस्ट, गोधरा एवं साहित्य वीथिका पत्रिका की ओर से डॉ. सतीन देसाई 'परवेज दीप्तिगुरु' को दुष्यंत कुमार साहित्य सम्मान' से (शील्ड, सम्मान-पत्र, और साल द्वारा) सम्मानित किया गया । इस समारोह सरदार पटेल विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के साथ अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष एवं आचार्यों के साथ भारी संख्या में विद्यार्थी और शोधार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप आशकिरण द्वारा किया गया।

मणिपुर: एनपीपी विधायक एन. काइसी का निधन

इंफाल : मणिपुर के पूर्व मंत्री एवं नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) विधायक एन. काइसी का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को यहां निधन हो गया। वह 58 वर्ष के थे। काइसी एक नगा थे एवं सेनापति जिले के तदुबी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष भी थे। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने काइसी के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि मणिपुर के लोगों के प्रति उनकी सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा।

जब मैंने देश छोड़ा तो मौत कुछ ही मिनटों की दूरी पर थी : बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना

नयी दिल्ली : बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना पिछले वर्ष पांच अगस्त को केवल 20-25 मिनट के अंतर से मौत से बच गईं थीं, जब छात्रों के नेतृत्व में हुए जन विद्रोह में उनकी अवामी लीग सरकार गिरा दी गई थी। अपनी पार्टी द्वारा फेसबुक पेज पर जारी एक संक्षिप्त ऑडियो नोट में हसीना ने अपनी जान बचाने के लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उनपर पूर्व में हुए दो हमलों को भी याद किया, जिनमें वे बाल-बाल बच गयी थीं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि ईश्वर ने उनके द्वारा कुछ महान कार्य करवाने की दैवीय योजना के तहत उनके जीवन को बचाया है। ऑडियो क्लिप में वह बांग्ला में कहती सुनाई दे रही हैं, हम मौत से सिर्फ 20-25 मिनट के अंतर से बच गए। मुझे लगता है कि 21 अगस्त को हुई हत्याओं से बचना, कोटालीपारा में बड़े बम विस्फोट से बचना या पांच अगस्त 2024 को बचना, इसके पीछे अल्लाह की मर्जी, अल्लाह का हाथ होना चाहिए। अन्यथा, मैं इस बार नहीं बच पाती। कांपती आवाज में 77 वर्षीय नेता ने अपने राजनीतिक विरोधियों पर उन्हें मरवाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। हसीना पिछले साल पांच अगस्त से भारत में रह रही हैं, जब वह छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश से भाग गई थीं, जिसने उनकी अवामी लीग की 16 साल की सरकार को उखाड़ फेंका था। हसीना ने कहा, मैं पीड़ा में हूं, मैं अपने देश, अपने घर से दूर हूं, सब कुछ जल गया है।

महाराष्ट्र में 60 लाख परिवारों को स्वामित्व योजना का लाभ मिलेगा : फडणवीस

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि स्वामित्व योजना से राज्य के 60 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। इस योजना की संकल्पना राष्ट्रीय प्रगति की नींव के रूप में ग्रामीण विकास के महत्व को मान्यता देते हुए की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शनिवार को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री फडणवीस महानगर के सह्याद्री गेस्ट हाउस से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इस कार्यक्रम में शामिल हुए। फडणवीस ने कहा, ''यह पहल केवल एक सरकारी परियोजना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण भारत के सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक ढांचे के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि स्वामित्व को लेकर अनिश्चितता और विवाद कम होंगे।'' उन्होंने कहा, ''भूमि का स्वामित्व साबित करना अक्सर कठिन हो जाता है, जिससे कानूनी मामलों में वृद्धि होती है और विकास प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है। स्वामित्व योजना इन चुनौतियों का समाधान करेगी। इस योजना के तहत, गांवों में भूमि का सर्वेक्षण करने के लिए आधुनिक ड्रोन तकनीक का उपयोग किया जाता है, और व्यक्तियों को कानूनी स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं।''

अनुसंधान के लिए उद्योग, शिक्षा और सरकार को एक साथ लाने के प्रयास सफल होंगे : सोमनाथ

गांधीनगर : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष एस सोमनाथ ने शनिवार को कहा कि अनुसंधान तथा नवाचार के लिए उद्योग जगत, शिक्षा क्षेत्र और सरकार को एक साथ लाने की पहल निश्चित रूप से सार्थक परिणाम लाएगी। एस सोमनाथ ने यहां धीरूभाई अंबानी विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह में यह बात कही। उन्होंने स्नातक के छात्रों से कहा कि वे सहयोग के महत्व को समझें तथा जिस भी संगठन में वे काम करते हैं, वहां के बड़े परिदृश्य को देखें। सोमनाथ ने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें इसरो में काम करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि इसरो लोगों और समाज की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित है। सोमनाथ ने कहा, ''अब से वह समय अधिक दूर नहीं है, जब भारत एक प्रौद्योगिकी-संचालित राष्ट्र बन जाएगा, जहां घरेलू नवाचार उद्योगों, उत्पाद विकास, व्यापार और आर्थिक प्रगति के क्षेत्र में नए अवसर पैदा करेंगे। एएनआरएफ (अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन) और अन्य मॉडल के निर्माण के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार के लिए उद्योग-अकादमिक-सरकार समर्थन प्रणाली बनाने की हमारी सरकार की पहल निश्चित रूप से परिणाम लाएगी। अंतरिक्ष वैज्ञानिक ने विश्वविद्यालय के छात्रों को सलाह देते हुए कहा, ''मैं आपको बता सकता हूं कि आपको लोगों के साथ काम करने की जरूरत है तथा अपने ज्ञान और तकनीक के साथ काम करने से कहीं बेहतर है।सोमनाथ ने कहा कि आने वाले वर्षों में विज्ञान, अभियांत्रिकी और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में उच्च वृद्धि होने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 में पहले या दूसरे स्थान पर होगा : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के विकास के लिए ''डबल इंजन'' सरकार को आवश्यक बताते हुए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और कहा कि उनके नेतृत्व में देश 2047 तक दुनिया की नंबर एक या दो अर्थव्यवस्था बन सकता है। नायडू ने कडप्पा जिले के म्यदुकुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)द्वारा जीती गई कुल 25 लोकसभा सीटों में से 21 सीट 'संजीवनी' की तरह हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश ''आर्थिक रूप से वेंटिलेटर पर है'' और केंद्र सरकार द्वारा आपूर्ति की जा रही ऑक्सीजन पर जीवित है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सुप्रीमो नायडू ने कहा कि उनका दल एक करोड़ सदस्यों वाला एक क्षेत्रीय संगठन है, लेकिन इसने हमेशा राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ काम किया है। उन्होंने कहा, ''हमने 2014 से 2019 के बीच राजग के साथ काम किया है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक दुनिया में पहला या दूसरे स्थान की अर्थव्यवस्था बन जाएगा और मेरी महत्वाकांक्षा तेलुगु लोगों को वैश्विक स्तर पर नंबर एक स्थान पर देखना है।''

ब्रिटिश सांसद ने कश्मीरी पंडितों के 'नरसंहार' को लेकर संसद में प्रस्ताव पेश किया

लंदन : ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने ''भारत के जम्मू और कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार'' की 35वीं सालगिरह के अवसर पर संसद में एक प्रस्ताव पेश किया। कंजर्वेटिव सांसद ब्लैकमैन ने बृहस्पतिवार को संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में इस मुद्दे पर प्रस्ताव पेश किया, जो जनवरी 1990 से चला आ रहा है। ईडीएम एक ऐसी विधि है जिसका उपयोग ब्रिटिश सांसद किसी विशेष मुद्दे पर संसद का ध्यान आकर्षित करने के लिए करते हैं। ईडीएम में कहा गया है, ''यह सदन जनवरी 1990 में कश्मीर घाटी की अल्पसंख्यक हिंदू आबादी पर सीमा पार इस्लामी आतंकवादियों और उनके समर्थकों द्वारा किए गए समन्वित हमलों की 35वीं वर्षगांठ को गहरे दुख और निराशा के साथ याद करता है।'' प्रस्ताव में ब्रिटिश हिंदू नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई है, जिनके ''मित्र और परिवार के सदस्य इस सुनियोजित नरसंहार में मारे गए, बलात्कार के शिकार हुए, घायल हुए और जिन्हें बलपूर्वक विस्थापित किया गया।''

जम्मू कश्मीर में रहस्यमयी हालात में मौतें: उपमुख्यमंत्री शोकसंतप्त परिवारों से मिले,जांच का आश्वासन

राजौरी/जम्मू : जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को राजौरी जिले के बधाल गांव का दौरा किया जहां दो महीने से भी कम समय में रहस्यमयी परिस्थितियों में 16 लोगों की मौत हो चुकी है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने शोकसंतप्त परिवारों से मिलकर उन्हें निर्णायक जांच कराने का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने शोक संतप्त परिवार के लोगों से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''यह गांव, जम्मू कश्मीर और देश के लिए एक बड़ी त्रासदी है। कोई भी सरकार नहीं चाहेगी कि ऐसी परिस्थितियों में लोगों की मृत्यु हो।'' चौधरी ने कहा कि उन्होंने पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया है कि सरकार जारी जांच को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएगी। उन्होंने कहा, ''अगर मौतें किसी स्वभाविक कारण से हुई हैं, तो सरकार इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। लेकिन अगर यह अन्य कारण से हुई है, तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। हम पता लगाएंगे कि इन सभी लोगों की जान कैसे गई। हमें उम्मीद है कि वास्तविकता जल्द ही सबके सामने आ जाएगी।''

रहस्यमयी हालात में मौतें: खौफ में हैं जम्मू-कश्मीर के प्रभावित गांव के निवासी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के इस सुदूर पर्वतीय गांव के लोग पिछले 45 दिनों में रहस्यमयी परिस्थितियों में एक के बाद एक हुई मौतों से सदमें में हैं तथा उनके चेहरों पर भय और दुख साफ झलक रहा है। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि मौत का डर उन्हें पहले कभी इतना नहीं था, यहां तक कि कोविड महामारी के दौरान भी नहीं, या जब आतंकवाद अपने चरम पर था। अधिकारियों ने मौतों के पीछे किसी संक्रामक बीमारी की आशंका से इनकार किया है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रॉलिंग स्टॉक) बृज मोहन अग्रवाल का आरेडिका में दौरा

रायबरेली, समाज्ञा : रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रॉलिंग स्टॉक) एवं पदेन सचिव भारत सरकार बृज मोहन अग्रवाल ने शनिवार को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली का दौरा किया। श्री अग्रवाल ने कोच एवं फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन के संबंध में आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा तथा उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उत्पादन एवं गुणवत्ता संबंधी कई मुददों पर चर्चा हुई। ज्ञात हो कि श्री अग्रवाल वर्ष-2022 में आरेडिका के महाप्रबंधक भी रह चुके हैं। इनके कार्य काल में आरेडिका में बहुत सारे सुधार किए गये। सदस्य (ट्रैक्शन एवं रॉलिंग स्टॉक) ने शेलशॉप, बोगीशॉप, व्हीलशॉप एवं फर्निशिंगशॉप आदि का निरीक्षण किया। शेलशॉप में निरीक्षण के दौरान तैयार हो रहे दीन-दयालु, एसी3, चेयरकार, एवं लगेज रैक के निर्माण में होने वाली बेल्डिंग की गुणवत्ता के सुधार हेतु कुछ आवश्यक सुझाव दिए।

श्री अग्रवाल ने अपने दौरे के दौरान सामान्य यात्रियों के सफर के लिए बनने वाले स्लीपर एवं दीन दयालू कोचों की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। आने वाले समय में प्रत्येक ट्रेन में जनरल एवं स्लीपर क्लास के कोचों की संख्या बढाई जा रही है जिससे यात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित की जा सके। फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन को बढाने के लिए एवं प्लाण्ट की अवसंरचना के विकास के संबंध में उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श किया एवं फोर्ज्ड व्हीलों के ऑटोमेटिक रखखाव के लिए जरूरी

न्यूज ब्रीफ

विराट कोहली ने सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के अगले रणजी ट्रॉफी मैच से बाहर रहने का फैसला किया

नयी दिल्ली : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने जिस दिन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुंबई के अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की, उसी दिन मेगास्टार विराट कोहली ने संकेत दिया कि गर्दन में हल्की चोट के कारण वह राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के मैच में नहीं खेल पाएंगे। रणजी ट्रॉफी का मैच 23 जनवरी से शुरू होगा। दिल्ली चयन समिति ने शुरू में 22 सदस्यीय संभावित टीम चुनी थी और कोहली की भागीदारी उपलब्धता पर निर्भर थी। केपी भास्कर की अध्यक्षता वाले पैनल ने शुक्रवार को टीम का चयन किया लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे जारी नहीं किया गया क्योंकि दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली स्टार बल्लेबाज की उपलब्धता की पुष्टि का इंतजार कर रहे थे।

रोहित ने मुंबई के अगले रणजी मैच के लिए उपलब्धता की पुष्टि की

मुंबई : भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुंबई के अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए अपनी उपलब्धता की शनिवार को पुष्टि की लेकिन घरेलू मैचों में स्टार खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के व्यस्त कार्यक्रम से खिलाड़ियों के लिए समय निकालना मुश्किल है। रोहित ने यह भी कहा कि कोई भी खिलाड़ी शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता को 'हल्के' में नहीं लेता है। रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण 23 जनवरी से शुरू हो रहा है। मुंबई की टीम यहां के एमसीए-बीकेसी ग्राउंड में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने समीक्षा बैठक आयोजित की थी। बोर्ड ने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए 10 दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए घरेलू टूर्नामेंट में भागीदारी को अनिवार्य बनाना भी शामिल है।

बुमराह की उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर, शमी की वापसी, जायसवाल को पहली बार मिला वनडे में मौका

रोहित ने संकेत दिया, खिलाड़ियों को 10 सूत्री निर्देश पर कुछ असमंजस, बीसीसीआई से चर्चा करेंगे

मुंबई : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ताजा नीति के प्रति अपनी और अपने साथियों की आपत्ति व्यक्त कीं जिसमें दौरे के दौरान खिलाड़ियों को अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए सीमित समय दिया गया है लेकिन मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि यह कोई 'सजा' नहीं है। बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर दिशा-निर्देशों की घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया की खबरों में ये 10 सूत्री निर्देश सामने आ चुके हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह पर तैयार किए गए 10 सूत्री अनुशासनात्मक दिशा-निर्देशों में कुछ नियमों पर रोहित बोर्ड सचिव देवाजीत सैकिया से चर्चा करने वाले हैं। नीति दस्तावेज में मुख्य मुद्दा पुराने दिनों की ओर लौटना है जब परिवारों को लंबे दौरों पर केवल 14 दिन के लिए अनुमति दी जाती थी। किसी भी बदलाव के लिए कोच गंभीर की मंजूरी की आवश्यकता होगी। यह समझा जाता है कि यह नियम टीम के खिलाड़ियों को अच्छा नहीं लगा है। प्रेस कांफ्रेंस शुरू होने से पहले जब रोहित चयनकर्ताओं के अध्यक्ष अजीत अगरकर के पास बैठे थे तो उन्हें मुंबई के अपने पूर्व साथी से यह कहते हुए सुना गया, 'अब मेरे को बैठना पड़ेगा सचिव के साथ। फैमिली-वैमिली का डिस्कस करने के लिए, सब मेरे को बोल रहे हैं यार। हर कोई (खिलाड़ी) मुझसे पूछ रहा है।'

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे बुमराह, उन्हें आराम करने को कहा गया: अगरकर

मुंबई : मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शनिवार को कहा कि जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए फिट नहीं हो पाएंगे जिसके कारण हर्षित राणा को उनकी जगह शामिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वे मुख्य तेज गेंदबाज की स्थिति पर मेडिकल टीम से अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। बुमराह को हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के बाद होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल किया गया है।

चार स्पिनरों के जांचे परखे फार्मूले पर निर्भरता के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से सिराज बाहर

मुंबई : स्पिन पर भारत की निर्भरता और पुरानी गेंद से मोहम्मद सिराज के प्रभावित नहीं कर पाने के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी टीम से उन्हें बाहर रहना पड़ गया। भारत ने 19 फरवरी से शुरू हो रहे आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिये 15 सदस्यीय टीम का शनिवार को ऐलान किया। भारत को अपने सारे मैच दुबई में खेलने हैं। दुबई की पिचें तेज गेंदबाजों की ज्यादा मदद नहीं करती लिहाजा भारत ने वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप की तरह चार स्पिनरों कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर को चुना है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने वानखेड़े स्टेडियम पर टीम का ऐलान करने के बाद मीडिया से कहा, 'हम ऐसी टीम चाहते थे जिसमें हमारे पास दोनों विकल्प हों यानी नयी गेंद से गेंदबाजी का और डैथ ओवरों का भी।'

मुंबई : बाएं हाथ के प्रतिभाशाली बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शनिवार को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चुना गया जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चोट से उबरने के बाद लंबे समय के बाद एकदिवसीय टीम में वापसी की। टीम में अनुभवी जसप्रीत बुमराह का भी नाम है लेकिन उनकी मौजूदगी फिटनेस हासिल करने पर निर्भर करेगी। ऋषभ पंत और लोकेश राहुल टीम में दो विकेटकीपर होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में हालांकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को जगह नहीं मिली है। शमी ने 2023 में 50 ओवर के विश्व कप के बाद वनडे टीम में वापसी की है। हर्षित राणा को केवल इंग्लैंड श्रृंखला के लिए चुना गया है। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'बुमराह को पांच सप्ताह के लिए विश्राम करने के लिए कहा गया था और वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।' घरेलू क्रिकेट में 752 रन बनाने के बावजूद करुण नायर टीम में जगह बनाने से चूक गए। अगरकर ने कहा, 'एक और खिलाड़ी के लिए जगह बनाना मुश्किल था और जिन लोगों (बल्लेबाजों) को चुना गया है, उनका औसत 40 से अधिक का है।' भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रविंद्र जड़ेजा, हर्षित राणा (केवल इंग्लैंड श्रृंखला के लिए)।

हजारे ट्रॉफी में रनों के पहाड़ लगाने के बावजूद नायर टीम में नहीं

मुंबई : करूण नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी में 700 से अधिक रन बनाये। सचिन तेंदुलकर ने उनके समर्थन में सोशल मीडिया पर लिखा। लेकिन कुछ काम नहीं आया। आठ साल बाद भारतीय टीम की जर्सी पहनने का उनका सपना टीम संयोजन और समीकरण के चलते चूर चूर हो गया। अजित अगरकर की अगुवाई में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और कप्तान रोहित शर्मा ने चैम्पियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिये टीम चुनी तो वे विदर्भ के 33 वर्ष के कप्तान के लिये जगह बना सकते थे। सवाल उठने लाजमी है कि घरेलू क्रिकेट में इतने रन बनाने का क्या फायदा जब वह चयन का आधार ही नहीं है। यह भी सवाल उठेगा कि घरेलू मैचों में खेलने पर जोर देने के टीम प्रबंधन के फैसले में कितनी ईमानदारी थी। अगरकर ने कहा कि मौजूदा हालात में नायर को 15 सदस्यीय टीम में चुनना मुश्किल है। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा,' यह कठिन है। ये प्रदर्शन वाकई खास है। 700 या 750 से अधिक की औसत से रन बनाना। हमने उसके बारे में बात की।' उन्होंने कहा ,' लेकिन इस समय टीम में जगह पाना काफी मुश्किल है। जिन खिलाड़ियों को चुना गया है , उन्हें देखिये। सभी का औसत अच्छा है। आप सभी को टीम में नहीं ले सकते। 15 खिलाड़ी ही चुने जाने हैं। लेकिन इस तरह के प्रदर्शन (करूण की तरह) पर गौर किया जाता है।' घरेलू क्रिकेट में करूण तीसरे नंबर पर उतरते हैं और कभी कभार चौथे या पांचवें नंबर पर भी उतरते हैं।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप: बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज की

कुआलालंपुर : बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के बारिश से प्रभावित शुरुआती दिन जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने अहम मैच में न्यूजीलैंड को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया जबकि बांग्लादेश ने कम स्कोर वाले मैच में नेपाल को पांच विकेट से हराया। काओइमहे ब्रे ने सिर्फ एक रन खर्च कर तीन विकेट झटके जिससे ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को आसानी से हराया। मलेशिया में खराब मौसम के कारण तीन मैच रद्द कर दिए गए। इंग्लैंड और आयरलैंड का मुकाबले में और सात गेंद का खेल हुआ होता तो मैच का परिणाम निकल जाता। टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे नाइजीरिया और समोआ तथा अमेरिका और पाकिस्तान का मैच खराब मौसम के कारण शुरू नहीं हो सका। बांग्लादेश ने ग्रुप डी के मैच में नेपाल को 18.2 ओवर में 52 रन पर आउट करने के बाद 13.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। नेपाल के लिए सना परवीन ने 32 गेंद में सबसे ज्यादा 19 रन बनाये जबकि सीमान केसी (10) दोहरे अंक में रन बनाने वाली टीम की सिर्फ दूसरी बल्लेबाज रही। नेपाल के पांच बल्लेबाज रन आउट हुए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने भी 11 रन तक तीन विकेट गंवा दिये थे लेकिन सादिया इस्लाम (16) और कप्तान सुमैया अख्तर (12) ने विकेटों के पतन को रोककर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

टकाले ने रचा इतिहास, क्लासिक कार वर्ग में डकार रैली पूरी करने वाले पहले भारतीय बने

रियाद (सऊदी अरब) : शीर्ष रेसर संजय टकाले ने क्लासिक कारों की श्रेणी में प्रतिष्ठित डकार रैली को पूरा करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। 'कॉम्पैनी सहरिएन' टीम के फ्रांस के सह-चालक मैक्सिम राउड के साथ टकाले ने लगभग 7,453 किमी की कठिन प्रतियोगिता में असाधारण निरंतरता और कौशल का प्रदर्शन करते हुए 14 चरण के रेस के क्लासिक कारों की श्रेणी में 10 वां जबकि ओवरऑल 18वां स्थान हासिल किया। उन्होंने टोयोटा लैंड क्रूजर एचजेडज78 से रेस के आखिरी चरण को पांचवें स्थान पर रहते हुए खत्म किया। डकार रैली का यह 47वां जबकि सऊदी अरब में छठा सत्र है।

पहले टी20 मैच के लिये भारत और इंग्लैंड की टीमें कोलकाता पहुंची

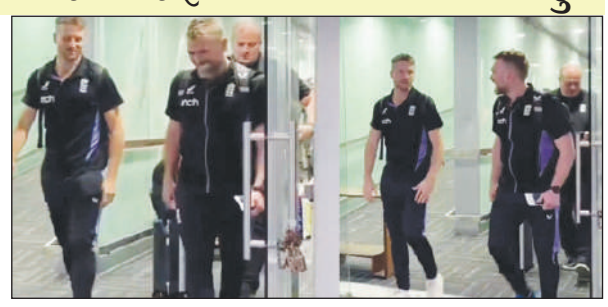

कोलकाता : विश्व चैम्पियन भारतीय टीम और यहां दौरे पर आई इंग्लैंड टीम बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच के लिये यहां पहुंच गई। ऐतिहासिक ईडन गार्डंस पर तीन साल बाद पहला टी20 मैच हो रहा है। दोनों टीमों के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेली जायेगी। एसए 20 खेलकर आये इंग्लैंड के हरफनमौला लियाम लिविंगस्टान सबसे पहले पहुंचे जो दक्षिण अफ्रीका से सीधे आये थे। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के बाकी सदस्य दुबई से शाम को यहां पहुंचे। टीम इंडिया के खिलाड़ी अपने अपने शहरों से आये हैं। नीतिश कुमार रेड्डी और रिंकू सिंह 4 . 30 पर पहुंचे। उसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा आये। मुख्य कोच गौतम गंभीर और बाकी खिलाड़ी शाम को पहुंचे। करीब चौदह महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे मोहम्मद शमी और हरफनमौला हार्दिक पंड्या देर रात को पहुंचेंगे। दोनों टीमें पहले मैच से पूर्व तीन अभ्यास सत्रों में भाग लेंगी। दूसरा टी20 चेन्नई में 25 जनवरी को और तीसरा दो फरवरी को मुंबई में खेला जायेगा।

साात्विक-चिराग सेमीफाइनल में हारे, इंडिया ओपन में भारतीय अभियान खत्म

नयी दिल्ली : भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी का अभियान शनिवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 में मलेशिया के गोह सेज फेई और नूर इज्जुद्दीन से सीधे गेम में हारने के बाद सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। 2022 की इस चैंपियन भारतीय जोड़ी को मलेशियाई जोड़ी ने मात्र 37 मिनट में 18-21, 14-21 से हरा दिया। भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत कर बढ़त बनाई, पर मलेशियाई जोड़ी ने अगले छह में से पांच अंक लेकर ब्रेक तक एक अंक की बढ़त ले ली। सात्विक और चिराग ने ब्रेक के बाद कुछ समय के लिए बढ़त हासिल की और 15-12 पर पहुंच गए। हालांकि मलेशियाई जोड़ी ने सात अंक जुटाकर मजबूत वापसी करते हुए पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में मलेशियाई टीम ने 5-0 की बढ़त बना ली, सात्विक की बदौलत भारतीयों ने अंतर 4-8 तक कम कर दिया। मलेशियाई टीम ने फिर ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाये रखी। लंबे कद के भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। लेकिन मलेशियाई टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। सात्विक और चिराग का यह सत्र का लगातार दूसरा सेमीफाइनल है।

पिछले दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बढ़कर 22.4 घंटे हुई: मनोहर लाल

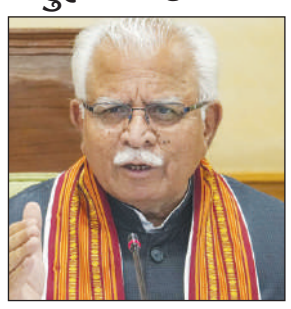

नयी दिल्ली : केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति में नौ घंटे और शहरी क्षेत्रों में 1.4 घंटे का उल्लेखनीय सुधार हुआ है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, बिजली मंत्रालय के लिए संसद सदस्यों की परामर्शदात्री समिति की बृहस्पतिवार को हुई बैठक में पुनरीक्षित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई। इस बैठक में मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में शहरी क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता 22 घंटे से बढ़कर 23.4 घंटे हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 12.5 घंटे से बढ़कर 22.4 घंटे हो गई है। आरडीएसएस योजना के बारे में मंत्री ने कहा कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं और वितरण कंपनियों दोनों को लाभ होगा क्योंकि इससे बिलिंग त्रुटियां कम होंगी, ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी और उपयोगकर्ताओं को अधिक सुविधा मिलेगी। मनोहर लाल ने कहा कि मंत्रालय ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ समन्वय में पीएम सूर्य घर योजना के तहत छतों पर सौर इकाइयां (आरटीएस) लगाते समय उपभोक्ताओं को होने वाली मुश्किलें कम करने के लिए कई उपाय किए हैं।

वैश्विक अनिश्चितता से भारत के लिए अपने वृद्धि अनुमान को घटाया: नीति आयोग सदस्य

कोलकाता : नीति आयोग के सदस्य एवं अर्थशास्त्री अरविंद विरमानी ने शनिवार को कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और जोखिमों के कारण उन्होंने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर संबंधी अपने अनुमान को मामूली रूप से संशोधित कर दिया है। पहले देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 6.5-7.5 प्रतिशत की सीमा में रहने का अनुमान लगाने वाले विरमानी ने अब अनुमान को संशोधित कर 6.5-7.0 प्रतिशत कर दिया है। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों से उत्पन्न जोखिम से बचने की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच इसके सात प्रतिशत से कम रहने की आशंका है। विरमानी ने कहा, साल की शुरुआत से ही मेरा ध्यान 0.5 प्रतिशत की घट-बढ़ के साथ सात प्रतिशत पर था। इसका मतलब है कि वृद्धि दर 6.5-7.5 प्रतिशत के बीच रहेगी। लेकिन अब मैं इसे संशोधित कर 6.5-7.0 प्रतिशत कर रहा हूं।

अब ईपीएफओ के सदस्य खुद ही कर सकेंगे निजी जानकारियों में संशोधन

नयी दिल्ली : सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के 7.6 करोड़ से अधिक सदस्य अब नियोक्ता द्वारा किसी सत्यापन या ईपीएफओ की मंजूरी के बगैर भी नाम और जन्मतिथि जैसी व्यक्तिगत जानकारियों में ऑनलाइन बदलाव कर सकते हैं। यह सुविधा शनिवार से शुरू हो गई। इसके अलावा, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के ई-केवाईसी ईपीएफ खाते (आधार से जुड़े) वाले सदस्य, नियोक्ता के हस्तक्षेप के बिना आधार ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के साथ सीधे अपने ईपीएफ हस्तांतरण दावे ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को ईपीएफओ की इन दोनों नई सेवाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ईपीएफओ सदस्यों द्वारा दर्ज लगभग 27 प्रतिशत शिकायतें सदस्य प्रोफाइल/ केवाईसी मुद्दों से संबंधित हैं और इस सुविधा के शुरू होने के बाद इन शिकायतों में उल्लेखनीय रूप से गिरावट आएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के व्यक्तिगत विवरणों में संशोधन के अनुरोधों का लाभ भारी कार्यबल वाले बड़े नियोक्ताओं को भी होगा। श्रम मंत्री ने कहा कि ईपीएफओ ने ईपीएफओ पोर्टल पर संयुक्त घोषणा की प्रक्रिया को सरल बना दिया है।

वैष्णव ने बुलेट ट्रेन परियोजना में समुद्र के नीचे की सुरंग के काम का निरीक्षण किया

मुंबई/ ठाणे : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल गलियारे (बुलेट ट्रेन परियोजना) के तहत समुद्र के नीचे निर्माणाधीन सुरंग का शनिवार को निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति पर संतोष जताया। परियोजना के तहत 21 किलोमीटर लंबी सुरंग में ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर का हिस्सा शामिल है। यह सुरंग बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्टेशन को शिलफाटा से जोड़ेगी। समुद्र के नीचे बनी यह सुरंग देश में अपनी तरह की पहली सुरंग है। वैष्णव ने नवी मुंबई के घनसोली में संवाददाताओं से कहा कि समुद्र के नीचे सुरंग का डिजाइन तैयार कर लिया गया है और इसका निर्माण बड़ी सावधानी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा, सुरंग के डिजाइन और इसमें इस्तेमाल की जा रही प्रौद्योगिकी की मदद से दो ट्रेनें 250 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजर सकती हैं। हवा और प्रकाश के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा गया है। परियोजना के 340 किलोमीटर लंबे हिस्से पर निर्माण कार्य अच्छी गति से चल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस परियोजना में ट्रेन कोलकाता मेट्रो की नदी के नीचे बनी सुरंग में संचालित ट्रेनों के मुकाबले कही अधिक रफ्तार से गुजर सकेंगी। वैष्णव ने कहा, इस परियोजना में नदियों पर पुल निर्माण और स्टेशन के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति देखी जा रही है। बीकेसी में स्टेशन एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, जिसमें 10 भूमिगत तल और सात जमीन से ऊपर के तल हैं। हाई-स्पीड रेल परियोजना तय समय पर चल रही है। इसका निरीक्षण और अनुमोदन जापानी विशेषज्ञ कर रहे हैं। रेल मंत्री ने कहा कि मध्यम वर्ग के लिए किफायती, कुशल परिवहन साधन उपलब्ध कराने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना धीरे-धीरे साकार हो रहा है। वैष्णव ने कहा कि देश में पहली बार हाई-स्पीड रेल मार्ग के पूरा होने से मुंबई और अहमदाबाद सहित मार्ग में पड़ने वाले शहरों की अर्थव्यवस्थाएं एकीकृत होंगी और शहरी विकास को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, इस गलियारे के साथ बनने वाले स्टेशन शहरी विकास को बढ़ावा देंगे और यात्रा के समय को महत्वपूर्ण रूप से कम करके दैनिक यात्रियों की उत्पादकता बढ़ाएंगे। हाई-स्पीड ट्रेन को एक परिवहन परियोजना के रूप में न देखकर अर्थव्यवस्था के एकीकरण के रूप में देखें। यह भारत के बुनियादी ढांचे और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्ग 508 किलोमीटर लंबा है। इस मार्ग पर महाराष्ट्र में मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर और गुजरात में वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती समेत कुल 12 स्टेशन प्रस्तावित हैं। लगभग 1.08 लाख करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना का मुख्य आकर्षण समुद्र के नीचे 21 किलोमीटर लंबी सुरंग है।

वाहन प्रदर्शनी में इलेक्ट्रिक वाहनों का दबदबा कायम; विनफास्ट, बीवाईडी ने नए मॉडल प्रदर्शित किए

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' के दूसरे दिन शनिवार को भी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) आकर्षण का मुख्य केंद्र बने रहे। विनफास्ट और बीवाईडी जैसी कई कंपनियों ने यात्री वाहन खंड में अपने उत्पाद पेश किए जबकि वेव मोबिलिटी ने सौर ऊर्जा से चलने वाली इलेक्ट्रिक मिनीकार एवा को पेश किया। वाणिज्यिक वाहनों की श्रेणी में जेबीएम इलेक्ट्रिक वेहिकल्स ने लक्जरी कोच गैलेक्सी सहित चार नई इलेक्ट्रिक बसें पेश कीं। वहीं ईकेए मोबिलिटी ने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने के उद्देश्य से एक इलेक्ट्रिक ट्रक और छह सीटों वाला सार्वजनिक परिवहन वाहन पेश किया। वाहन प्रदर्शनी के दूसरे दिन दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंदै मोटर कंपनी ने टीवीएस मोटर कंपनी के साथ मिलकर भारत के लिए अंतिम गंतव्य वाले परिवहन समाधानों के विकास में साझेदारी की संभावना तलाशने की घोषणा की। इस दिशा में अभी तक कोई बाध्यकारी समझौता नहीं किया गया है। इस दौरान हुंदै मोटर ने अंतिम गंतव्य तक पहुंचाने वाले एक वाहन के कॉन्सेप्ट मॉडल को भी पेश किया। वियतनाम की कंपनी विनफास्ट ऑटो ने अपनी दो इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ 7 और वीएफ 6 का अनावरण करते हुए कहा कि ये दोनों मॉडल इस साल के अंत तक भारतीय बाजार में आए जाएंगे। ये कंपनी के भारत में उतारे जाने वाले पहले वाहन होंगे। विनफास्ट इस समय तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 50 करोड़ डॉलर की लागत से अपना विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में लगी हुई है।

न्यूज अपडेट

ऋतिक रोशन ने अपनी वाणिज्यिक संपत्ति को 5.62 लाख रुपये के किराये पर दिया

नयी दिल्ली : बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने मुंबई स्थित अपनी प्रीमियम कमर्शियल प्रॉपर्टी को 5.62 लाख रुपये प्रति महीने के किराये पर दिया है। रियल एस्टेट परामर्शदाता स्क्वायर याड्र्स ने शनिवार को बताया कि उसने इस संपत्ति पंजीकरण के दस्तावेजों की समीक्षा की है। उसने कहा, ऋतिक रोशन ने अपनी प्रीमियम वाणिज्यिक संपत्ति को किराये पर दिया है, जिससे उन्हें 5,62,000 रुपये की मासिक आय हो रही है। यह वाणिज्यिक संपत्ति मुंबई के गोरेगांव में विकसित लोटस कॉरपोरेट पार्क परियोजना में स्थित है। लगभग 27.55 एकड़ में फैली यह परियोजना आधुनिक कार्यालय स्थान प्रदान करती है।

बैटरी उत्पादकों ने दायित्व पूरे न किए तो लगेगा जुर्माना: अधिकारी

नयी दिल्ली : निर्धारित दायित्वों को पूरा न करने वाले उत्पादकों पर वित्तीय जुर्माना लगाए जाने से बैटरी का दोबारा इस्तेमाल करने वालों को प्रोत्साहन मिलेगा और उनकी लाभप्रदता बढ़ेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह बात कही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के निदेशक वी पी यादव ने यहां 'इंडिया बैटरी रीसाइक्लिंग एंड रीयूज समिट 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि निर्धारित दायित्वों को पूरा न करने वाले बैटरी उत्पादकों पर जुर्माना लगाने की व्यवस्था तैयार कर ली गई है। यादव ने कहा, इस आर्थिक दंड से आखिरकार बैटरी दोबारा इस्तेमाल करने वालों को ही लाभ होगा, क्योंकि वे क्रेडिट उत्पन्न करते हैं जो मुआवजे के बदले उत्पादकों को हस्तांतरित किए जाते हैं। उद्योग निकाय इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस की तरफ से आयोजित शिखर सम्मेलन में यादव ने कहा, हम बैटरी का नए सिरे से इस्तेमाल करने वालों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं क्योंकि हम समझते हैं कि लाभप्रदता के बिना पुनर्चक्रण का कारोबार आगे नहीं बढ़ेगा। हमारे प्रयास आर्थिक कारकों से प्रेरित हैं।

बीएमडब्ल्यू को भारत में इस साल भी दहाई अंकों में वृद्धि की उम्मीद

नयी दिल्ली : जर्मनी की लक्जरी वाहन कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वर्ष 2024 की शानदार बिक्री से उत्साहित होकर इस साल भारत में दहाई अंकों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद लगाई है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विक्रम पावा ने शनिवार को कहा कि कंपनी को इस साल अपने इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री पोर्टफोलियो में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने पिछले साल 15,721 कारों के साथ अपनी अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की थी जो एक साल पहले की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। बीएमडब्ल्यू ब्रांड ने 15,012 इकाई बेचे जबकि मिनी ब्रांड के 709 वाहन बिके थे। इसके अलावा समूह के मोटरसाइकिल ब्रांड बीएमडब्ल्यू मोटोरैड ने भी पिछले साल 8,301 इकाइयां बेची थीं।

कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 4,701 करोड़ रुपये पर

मुंबई : निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 10.22 प्रतिशत बढ़कर 4,701 करोड़ रुपये हो गया। बैंक की पूंजी बाजार से जुड़ी इकाइयों के अच्छे प्रदर्शन से उसका मुनाफा बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 4,265 करोड़ रुपये रहा था और जुलाई-सितंबर, 2024 तिमाही में 5,044 करोड़ रुपये रहा था। आलोच्य तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ एकल आधार पर 3,304 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,005 करोड़ रुपये जबकि जुलाई-सितंबर तिमाही में 3,343 करोड़ रुपये था। बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) अशोक वासवानी ने शनिवार को कहा कि बैंक ने प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे उन चिंताओं का समाधान हो गया है, जिनके कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले अप्रैल में कारोबारी प्रतिबंध लगाए थे।

वर्ष 9, पूर्णांक 4124 अंक 274, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in